MUMBAI TARANG

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-03 ❖ अंक-13 ❖ मुंबई ❖ रविवार 20 से 26 मार्च 2022 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पहले लोग मरते थे
आत्मा भटकती थी,
अब आत्मा मर चुकी है
लोग भटक रहे हैं।

पेज 3

राज्य में उद्योग की बयार मिलेगा रोजगार!-वित्त राज्यमंत्री शंभुराजे देसाई

पेज 5

जम्मू कश्मीर: पुलवामा में टेरर मॉड्यूल का भंडाफोड़, लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों के छह मददगार गिरफ्तार

पेज 7

उर्फी जावेद के पहनावे को लेकर एक महिला ने मुस्लिम नेताओं से की लगाम कसने की अपील, एक्ट्रेस ने दिया करारा जवाब

पेज 8

यूपी: 23 या 24 मार्च को योगी मंत्रिमंडल का गठन, केशव की कुर्सी बरकरार रहेगी, खतरे में दिनेश शर्मा

विधानसभा अध्यक्ष चुनाव को लेकर महाराष्ट्र सरकार और राज्यपाल में ठनी, MVA ने लिखा गवर्नर को खत

मुंबई: विधानसभा अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर राज्यपाल और महाविकास अघाड़ी सरकार के बीच तकरार अब भी जारी है। खबर है कि सरकार की तरफ से राज्यपाल को एक और ताजा खत लिखा गया है, जिसमें राज्यपाल के उस दावे का खंडन किया गया है कि विधानसभा अध्यक्ष चुनाव का मामला न्याय प्रविष्ट है। बुधवार को महाविकास अघाड़ी सरकार के नेताओं की एक बैठक हुई है, जिसमें राज्यपाल के पत्र के जवाब में पत्र लिखे जाने का फैसला लिया गया है। बता दें कि राज्य विधान मंडल के चालू बजट सत्र के दौरान ही महाविकास अघाड़ी सरकार विधानसभा अध्यक्ष पद का चुनाव कराना चाहती थी, इसके लिए उन्होंने राज्यपाल से अनुमति मांगी थी। लेकिन उपरोक्त कारण से राज्यपाल ने विधानसभा अध्यक्ष पद का चुनाव कराने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। दूसरी तरफ महाविकास अघाड़ी सरकार के नेताओं का कहना है कि विधानसभा अध्यक्ष पद के चुनाव को चुनौती देने वाली बीजेपी(BJP) नेता गिरीश महाजन की याचिका को हाई कोर्ट पहले ही ठुकरा चुका है और हाई कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ गिरीश महाजन सुप्रीम कोर्ट(Supreme Court) गए हैं। अब तक उन्होंने सिर्फ सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दी है। सुप्रीम कोर्ट ने अब तक उनकी याचिका को अब तक स्वीकार नहीं किया है, न ही उस पर अब तक कोई सुनवाई हुई है। ऐसे में, इस मामले को न्याय प्रविष्ट कहना जबरदस्ती विधानसभा अध्यक्ष पद के चुनाव को रोकने के समान है। खबर है कि राज्य सरकार ने इस मामले में राज्य के महाधिवक्ता की भी सलाह ली है। इसके बाद ही यह ताजा खत राजभवन भेजा गया है। उल्लेखनीय है कि महाविकास अघाड़ी सरकार और राज्यपाल के बीच कई मुद्दों पर लगातार मतभेद बने हुए हैं। हाई कोर्ट भी सरकार और राज्यपाल के तल्ख होते रिश्तो पर नाखुशी जता चुका है।

होली के लिए Special Discount
Valid on 16, 17, 18 March 2022
गुंजिया (शुद्ध घी की) - ₹ 680/- 580/- Per Kg.
खमण - ₹ 320/- 240/- Per Kg.
भाकरवड़ी - ₹ 380/- 280/- Per Kg.
गुरूजी की ठण्डाई मिलेगी
Order Now 98208 99501
ONLINE SHOP : www.mmmithaiwala.com
*T&C apply
MM MITHAIWALA Malad (W), Tel. : 288 99 501

गोवा में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़

मुंबई की टीवी एक्ट्रेस समेत तीन महिलाओं को रेस्क्यू किया गया, एक गिरफ्तार

गोवा पुलिस की अपराधा शाखा ने पणजी के पास संगोल्डा गांव में चल रहे सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। इस दौरान एक टीवी एक्ट्रेस समेत तीन महिलाओं और हैदराबाद के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। क्राइम ब्रांच के मुताबिक, टीवी एक्ट्रेस और एक अन्य महिला मुंबई के पास विरार की रहने वाली है। तीसरी महिला हैदराबाद की है। गुप्त सूचना के आधार पर अपराध शाखा ने जाल बिछाया और संगोल्डा के एक होटल में हैदराबाद के व्यक्ति से 50 हजार रुपए में सौदा किया। इसके बाद दलाल ने जैसे ही तीन महिलाओं को पेश किया, उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, पकड़ी गई महिलाओं की उम्र 30 से 37 साल के बीच है।

ऐसे हुआ रैकेट का भंडाफोड़

गोवा पुलिस की अपराधा शाखा की ओर से बताया गया है कि अपराध शाखा को गुप्त सूचना मिली थी कि हाफिज सैयद बिलाल नाम का शख्स देह व्यापार की गतिविधियों में शामिल है। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने अपना जाल बुनना शुरू किया। पुलिस ने बताया कि इस सूचना की पुष्टि कर लेने के बाद हैदराबाद के रहने वाले इस शख्स से फर्जी ग्राहक के सहारे संपर्क कर सौदा तय किया गया। सौदे के तहत 50 हजार रुपए दिए जाने थे और इन्हें संगोल्ड गांव के एक होटल में चुकाने की बात तय हुई थी। अपराध शाखा ने बताया कि 26 वर्षीय इस शख्स को 17 मार्च को उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वह तीन अन्य महिलाओं के साथ मौके पर पहुंचा था।

सूरत में हादसा, व्यावसायिक परिसर की दूसरी मंजिल का हिस्सा गिरा, दो की मौत और एक के घायल होने की खबर

गुजरात के सूरत शहर में शनिवार को एक व्यावसायिक परिसर की दूसरी मंजिल का हिस्सा गिर गया। इसकी चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना कतरगाम इलाके में दो मंजिला व्यावसायिक परिसर में हुई।

उन्होंने कहा कि इमारत की दूसरी मंजिल पर एक लंबी दीवार का जीर्णोद्धार किया जा रहा था। वह अचानक भराभरा कर गिर गई। जिससे वहां मौजूद समीर शेख (29) और रोहित राठौड़ (21) की मौत हो गई। एक व्यक्ति को मलबे से बचाया गया और उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

अधिकारी ने कहा कि इमारत की पहली मंजिल पर काम करने वाले लोगों को दमकल विभाग ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया। उन्होंने कहा कि इमारत के परिसर में खड़े कई वाहन ढहने से क्षतिग्रस्त हो गए।

अमरेली में शेरों के अभयारण्य के पास लगी आग

वहीं, अमरेली जिले में एशियाई शेरों के अभयारण्य के पास हरियाली वाले क्षेत्र में लग गई। हालांकि, काफी हद तक आग पर काबू पा लिया गया है और इसके कारण शेर या अन्य किसी वन्यजीव के हताहत होने की सूचना नहीं है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार की शाम को लगी आग को काबू करने के लिए 300 से अधिक वनकर्मियों और अग्निशमन कर्मियों को मशक्कत करनी पड़ी।

लातूर नगर निगम ने पूरा किया वादा, महिलाओं के लिए शुरू की मुफ्त बस सेवा, मिलेगा स्मार्ट कार्ड

महाराष्ट्र के लातूर नगर निगम ने महिलाओं के लिए मुफ्त बस सेवा शुरू की है. वहीं इस मामले पर स्थानीय अधिकारियों ने दावा किया है कि देश में इस तरह की यह पहली बस सेवा है. मुफ्त बस सेवा का उद्घाटन महाराष्ट्र के मंत्री अमित देशमुख ने शुक्रवार रात शिवाजी चौक पर किया. इस दौरान मंत्री देशमुख ने कहा कि महिलाओं को बस में मुफ्त यात्रा के लिए स्मार्ट कार्ड दिया जाएगा. अमित देशमुख ने कहा कि बसों में महिला कंडक्टर होंगी और योजना से जुड़े कर्मचारियों की पुलिस वेरिफिकेशन होगी.

उन्होंने कहा कि सरकार की इस योजना से लातूर आने वाले हजारों छात्रों को भी मदद मिलेगी. इसके साथ ही मंत्री अमित देशमुख ने एलएमसी की परिवहन समिति से प्रदूषण से निपटने के लिए पर्यावरण के अनुकूल ईंधन और बिजली पर बसें चलाने को लेकर गौर करने को कहा. मुफ्त बस सेवा उद्घाटन समारोह में नगर निगम प्रमुख अमन मित्तल और मेयर विक्रांत गोजामुंडे भी मौजूद रहे. बता दें कि साल 2021 में लातूर नगर निकाय ने महिलाओं और छात्राओं के लिए बस में फ्री सफर की घोषणा की थी. महिलाओं के लिए फ्री बस सेवा इसे लेकर निकाय प्रशासन ने महापौर विक्रांत गोजामुंडे की अध्यक्षता में एक बैठक हुई थी. इसी बैठक में फ्री बस सेवा को लेकर फैसला लिया गया था. लातूर नगर निगम से अब महिलाओं के लिए फ्री बस सेवा शुरू कर दी है. महिलाएं अब स्मार्ट कार्ड के जरिए फ्री में बस यात्रा कर सकेंगी. इस सेवा का आज उद्घाटन भी किया जा चुका है. लातूर में हजारों महिलाएं और छात्राएं अब फ्री बस सेवा का फायदा उठा सकेंगी.

किसानों को सुझाव: बिजली बिल में संदेह हो तो दुरुस्ती करवाएं

अमरावती। बिजली बिल में संदेह हो तो तत्काल दुरुस्ती करवा लें, लेकिन मार्च के पूर्व कृषि नीति के 66 प्रतिशत सहूलियत का जिले के सभी बकाएदार किसान लाभ लेते हुए बकायामुक्त हो, ऐसा आवाहन प्रादेशिक संचालक सुहास रंगारी ने किया है। महावितरण के मोर्शी विभाग अंतर्गत हिवरखेड़ व अमरावती ग्रामीण विभाग अंतर्गत पावर हाऊस में आयोजित बिजली बिल दुरुस्ती सम्मेलन में वह बोल रहे थे। इस अवसर प प्रादेशिक कार्यालय के महाव्यवस्थापक शरद दाहेदार, मुख्य अभियंता पुष्पा चौहान, अधीक्षक अभियंता दिलीप खानंदे, कार्यकारी अभियंता राजेंद्र मलसने, अनिरुद्ध आलेगांवकर सहित पावर हाउस के शिविर में जिप सदस्य अलका देशमुख प्रकाश साबले, हरीश मोरे, मंगेश देशमुख, पूर्व पंस उपसभापति हरीश सुखसोवले, दीपक पांडव, कांचन कुकडे व मंगेश पवार उपस्थित थे।

माता-पिता के जीवित रहते बेटा नहीं कर सकता संपत्ति पर दावा, बॉम्बे हाई कोर्ट की सख्त टिप्पणी

प्रॉपर्टी मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट ने बहुत ही सख्त टिप्पणी की है. कोर्ट ने एक केस की सुनवाई के दौरान एक शख्स से कहा कि कानूनी तौर पर माता-पिता के जीवित होने पर वह उनके को दो फ्लैट्स पर अपने साझा घर के रूप में दावा नहीं कर सकता. कोर्ट ने कहा कि माता-पिता के जीवित होने तक उसके पास ऐसा कोई कानूनी अधिकार नहीं है. न्यूज 18 ने टीओआई की खबर के हवाले से कहा कि बॉम्बे हाई कोर्ट ने शख्स से कहा कि जब तक माता या पिता में से कोई एक भी जिंदा है, वह पिता की संपत्ति पर कोई हक नहीं जता सकता. कोर्ट ने कहा कि माता-पिता चाहें तो अपनी संपत्ति को बेच भी सकते हैं, इसके लिए उन्हें बेटे से परमिशन नहीं लेनी होगी. यह टिप्पणी एक मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस गौतम पटेल और जस्टिस माधव जामदार ने की है. कोर्ट ने इस टिप्पणी के साथ ही इंटरवेंशन एप्लिकेशन को खारिज कर दिया. दरअसल एक बेटे ने अपनी मां और दो शादीशुदा बहनों के साथ बॉम्बे हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की थी. इस याचिका में बेटे की तरफ से मांग की गई थी कि उसकी मां को पिता का लीगत गार्डियन बनाया जाए. दरअसल उसके पिता मानसिक बीमारी (डिमेंशिया) से जूझ रहे हैं, उन्हें कई बार दौरे भी आ चुके हैं. बेटे ने कहा कि उसके पिता बीमारी की वजह से कई बार अस्पताल में भर्ती रहते हैं. बेटे ने कोर्ट को दिए डॉक्युमेंट्स के जरिए बताया कि उसके पिता की कंडीशन खराब है, उन्हें खाना भी नली से दिया जाता है.

'पिता की प्रॉपर्टी पर नहीं कर सकता दावा'

याचिकाकर्ता बेटे ने कोर्ट में खुद को अपने पिता का लीगल गार्डियन बताया. उनसे कहा कि वह अपने पिता की कई सालों से देखरेख कर रहा है. वहीं कोर्ट ने इस मामले पर आपत्ति जताई कि बेटा खुद कानूनी संरक्षक बनना चाहता है. जब कि वह अपने पिता को कभी डॉक्टर के पास नहीं ले गया. बेटे ने कभी इलाज का खर्चा तक नहीं उठाया. वहीं कोर्ट ने साफ कर दिया कि जब तक माता और पिता में से एक जीवित है, उनकी प्रॉपर्टी पर बेटा दावा नहीं कर सकता. कोर्ट ने 16 मार्च को दिए आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता बेटे ने इस मामले में बहुत से डॉक्युमेंट्स पेश किए, जिनमें ये साफ है कि मां ने इलाज का पूरा खर्चा उठाया. एक भी डॉक्युमेंट्स से ये पता नहीं चला कि उसने पिता के इलाज का खर्चा उठाया है.

'क्या कभी पिता को डॉक्टर के पास लेकर गया ?'

कोर्ट में दाखिल की गई जेजे अस्पताल की 1 अक्टूबर 2021 की रिपोर्ट के मुताबिक याचिकाकर्ता के पिता को 2011 से डिमेंशिया है. उन्हें न्यूमोनाइटिस और बेड सोर हैं. नाक से उन्हें ऑक्सीजन दी जाती है, साथ ही खाने के लिए राइल्स ट्यूब का इस्तेमाल किया जाता है. वह बोल और समझ नहीं सकते. साथ ही कोई भी फैसला या हस्ताक्षर भी नहीं कर सकते. बेटे के वकील का कहना है कि वह कई सालों से अपने पिता का लीगल गार्डियन है.

वहीं जसटिस पटेल ने कहा कि बेटे को खुद कोर्ट में आना चाहिए था. क्या वह एक बार भी अपने पिता को डॉक्टर के पास लेकर गया. क्या बेटे ने उनके मेडिकल बिल का भुगतान किया. वहीं कोर्ट ने कहा कि पिता और मां के जीवित रहते उनके फ्लैक्ट्स पर साझा घर के रूप में बेटा कानून हक नहीं जता सकता.

विधायकों की बैठक में पारित हुआ प्रस्ताव: सोनिया गांधी के नेतृत्व पर महाराष्ट्र कांग्रेस ने जताया विश्वास

मुंबई। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की हुई हार के बाद कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा पद छोड़ने की पेशकश के बाद अब महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस ने उनके नेतृत्व में विश्वास जताया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले की अध्यक्षता में हुई पार्टी के मंत्रियों, विधायकों व पदाधिकारियों की बैठक में इसको लेकर प्रस्ताव पारित किया गया। ऊर्जामंत्री राऊत का अभिनंदन गुरुवार को राज्य के मदद व पुनर्वसन मंत्री विजय वडेट्टीवार के सरकारी आवास पर हुई बैठक में प्रदेश कांग्रेस के कार्याध्यक्ष नसीम खान ने यह प्रस्ताव रखा जिसे एकमत से पारित कर दिया गया। इसके अलावा बैठक में किसानों के बिजली कनेक्शन न काटने का एलान करने वाले ऊर्जा मंत्री नितिन राऊत का अभिनंदन प्रस्ताव पारित किया गया। इस दौरान पूर्व मंत्री शंकरराव कोल्हे को श्रद्धांजलि भी अर्पित की गई।

रोजगार सबसे अहम

नैशनल स्टैटिस्टिक ऑफिस (एनएसओ) की ओर से पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे (पीएलएफएस) की ताजा रिपोर्ट इस लिहाज से भी अहम है कि यह देश में कुछ समय के अंतर पर पैदा हुए दो असामान्य हालात के नतीजों को करीब से देखने और समझने का मौका मुहैया कराती है। सोमवार को जारी हुई इस रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल से जून 2021 की तिमाही में शहरी इलाकों में 15 साल और उससे ऊपर की आबादी में बेरोजगारी की दर 12.6 फीसदी पाई गई। अगर एक साल पहले की उसी अवधि के आंकड़े देखें तो यह दर 20.8 फीसदी थी, मगर अप्रैल-जून से ठीक पहले की तिमाही यानी जनवरी से मार्च 2021 की अवधि में यह दर 9.3 फीसदी पर आ गई थी। आंकड़ों का ग्राफ ऊपर से नीचे आने और फिर दोबारा चढ़ने का यह ट्रेंड रिपोर्ट के अन्य हिस्सों में भी दिखता है। उदाहरण के लिए, शहरी महिलाओं की स्थिति देखें तो 15 साल और उससे ऊपर की आबादी में बेरोजगारी की जो दर अप्रैल से जून 2020 में 21.1 फीसदी थी, वह

जनवरी-मार्च 2021 में घटकर 11.8 फीसदी पर आई और अप्रैल-जून 2021 की अवधि में फिर बढ़कर 14.3 फीसदी पर चली गई। ध्यान देने की बात यह है कि अप्रैल-जून 2020 ही वह अवधि थी, जब कोरोना के वैश्विक प्रकोप से जुड़ी आशंकाओं के मद्देनजर केंद्र सरकार ने सबसे लंबे देशव्यापी लॉकडाउन की घोषणा की थी। स्वाभाविक ही उसके कारण बेरोजगारी दर में अप्रत्याशित इजाफा हुआ। इसके ठीक एक साल बाद यानी अप्रैल-जून 2021 की अवधि में देश कोरोना की दूसरी लहर के कहर से जूझ रहा था। इसका भी असर जीवन के सभी क्षेत्रों पर पड़ा और खासतौर पर बेरोजगारी में जबर्दस्त बढ़ोतरी देखी गई। मगर ये आंकड़े भारतीय समाज की जिजीविषा का भी संकेत करते हैं। जैसा कि उस अवधि के इससे पहले आए अन्य आंकड़े दर्शाते रहे हैं, ये आंकड़े भी इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि देश ने बीच में मिली जरा सी मोहलत का फायदा उठाते हुए हालात काफी हद तक दुरुस्त कर लिए थे। दूसरी लहर ने उसे फिर से बिगाड़ा। लेकिन इस दूसरी लहर के बाद फिर से स्थितियां सामान्य होने लगीं और जैसे-जैसे कोरोना से जुड़े प्रतिबंध हटते गए, आर्थिक गतिविधियां भी तेज हुईं। इसका असर आगे आने वाले आंकड़ों पर दिखेगा। मगर इसी बीच रूस और यूक्रेन युद्ध के रूप में एक नई असाधारण चुनौती अर्थव्यवस्था के सामने आ गई है। बहरहाल, चुनौतियां तो रूप बदल-बदल कर आती ही रहेंगी, लेकिन फिलहाल सरकार के सामने महंगाई दर को यथासंभव काबू में रखते हुए रोजगार के अधिक से अधिक मौके मुहैया कराने की कठिन चुनौती बनी हुई है। मौजूदा हालात में इसका जवाब जहां तक हो सके सरकारी खर्च के जरिए अर्थव्यवस्था को गति देने का प्रयास ही हो सकता है। इसीलिए बजट में सरकार ने कैपिटल एक्सपेंडिचर में भारी बढ़ोतरी का प्रस्ताव रखा था।

पंजाब में आप की चुनौती

राज्य की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है और पंजाब कर्जे के बोझ से लदा है। वहीं, आम आदमी पार्टी ने पंजाब में खास तौर पर 18 साल से ऊपर की उम्र की सभी महिलाओं को 1000 रुपये मासिक देने, हर घर को 300 यूनिट तक बिजली मुफ्त देने, हर गांव और कस्बे के वार्डों में मोहल्ला क्लिनिक बनाने जैसे वादे किए।

किरीट ए. चावड़ा

आम आदमी पार्टी के भगवंत मान ने बुधवार को शहीदे आजम भगत सिंह के पैतृक गांव खटकर कलां में बड़ी संख्या में आम लोगों की मौजूदगी के बीच पंजाब के 17वें

मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह की यह सांकेतिकता भी महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे ज्यादा अहम है वह विश्वास जो पंजाब के लोगों ने इस अपेक्षाकृत नई पार्टी को 117 में से 92 सीटों का विशाल बहुमत सौंपकर जताया है। जिस तरह से कांग्रेस और अकाली दल जैसी पारंपरिक पार्टियों का सूपड़ा साफ हो गया, वह बताता है कि पंजाब के लोगों ने इस बार वोट देते हुए नई पार्टी से उम्मीदों के साथ ही पुरानी पार्टियों के प्रति अपनी निराशा भी जताई है। जाहिर है, यह स्थिति भगवंत मान की अगुआई में बनने वाली आम आदमी पार्टी की इस सरकार पर जिम्मेदारियों का अतिरिक्त बोझ डालती है। निश्चित रूप से पंजाब के लोगों में जगी इन उम्मीदों के पीछे पार्टी के बहुप्रचारित दिल्ली मॉडल की भी भूमिका है जिसे सस्ती बिजली और पानी के साथ ही अच्छी शिक्षा और चिकित्सा सुविधाओं की गारंटी के रूप में पेश किया जाता रहा है।

पार्टी ने पंजाब में खास तौर पर 18 साल से ऊपर की उम्र की सभी महिलाओं को 1000 रुपये मासिक देने, हर घर को 300 यूनिट तक बिजली मुफ्त देने, हर गांव और कस्बे के वार्डों में मोहल्ला क्लिनिक बनाने जैसे वादे किए हैं। राज्य की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। यह कर्जे के बोझ से लदा है। इस पर 2 लाख 82 हजार करोड़ रुपये का कर्ज है।

ऐसे में देखना होगा कि नई सरकार अपने वादे पूरे करने की कौन सी राह निकालती है। इसके साथ ही बॉर्डर स्टेट होने के नाते पंजाब काफी संवेदनशील माना जाता है। आतंक के दौर को यह राज्य पीछे जरूर छोड़ चुका है, लेकिन खालिस्तान समर्थक तत्वों की साजिशों की बातें जब-तब उठती रहती हैं। ड्रग्स यहां एक बड़े मुद्दे के रूप में रेखांकित होता रहा है। चूंकि दिल्ली में पुलिस व्यवस्था का जिम्मा राज्य सरकार के अंतर्गत नहीं आता और वहां आम आदमी पार्टी की सरकार इसे मुद्दा बनाती रही है, इसलिए इस पर पूरे देश की नजरें टिकी रहेंगी कि पंजाब में कानून व्यवस्था के मसले को नई सरकार कैसे संभालती है। यह भी ध्यान देने की बात है कि किसान आंदोलन में पंजाब ही सबसे आगे रहा। वहां किसानों की बदहाली बढ़ी है। उनकी स्थिति में सरकार कैसे बेहतरी लाती है, यह भी देखने की बात होगी। कुल मिलाकर देखा जाए तो आम आदमी पार्टी की यह नई पारी पूरे देश की राजनीति में एक नए प्रयोग के रूप में देखी जा रही है। इसकी कामयाबी या नाकामी के गहरे निहितार्थ होंगे।

एक गलती से हो सकता है युद्ध

गणेश पाण्डेय

नौ मार्च, शाम सात बजे पाकिस्तानी सेना ने भारत के भीतरी क्षेत्र से शुरू हुई कोई 'तेज रफ्तार उड़ती हुई चीज' देखी, जो अचानक पाकिस्तानी क्षेत्र की ओर मुड़ गई। मिसाइल को मार गिराने की कोशिश नहीं हुई, यह पाकिस्तानी सीमा के 120 किलोमीटर अंदर जाकर खुद ही गिरी, जिससे नागरिक संपत्ति को नुकसान हुआ। 11 मार्च को भारत ने कहा, 'यह राहत की बात है कि दुर्घटना में किसी की जान नहीं गई।' दुर्घटना को 'तकनीकी गड़बड़ियों' का परिणाम बताते हुए उसने उस पर गहरा खेद जताया। भारत ने अपनी तरफ से मिसाइल का नाम नहीं बताया, लेकिन विश्लेषकों के मुताबिक यह ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल थी। रूस के साथ संयुक्त रूप से विकसित यह मिसाइल अपनी श्रेणी में सबसे आधुनिक और सबसे तेज मानी जाती है। इससे भी बड़ी बात यह कि मिसाइल परमाणु हथियारों को ले जाने में सक्षम है और ज्यादातर पाकिस्तानी शहर इसकी रेंज में आते हैं।

कुछ भी हो सकता था

रक्षा मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि यह मिसाइल ट्रेनिंग और मेनटेनेंस एक्सरसाइज के दौरान उत्तर भारत के एक वायुसेना बेस से दुर्घटनावश चल गई, जहां इंडियन एयरफोर्स के डायरेक्टरेट ऑफ एयर स्टाफ इंस्पेक्शन का ऑडिट चल रहा था। सूत्रों के मुताबिक मिसाइल उन तमाम 'मकैनिकल और इलेक्ट्रॉनिक लॉक्स' के बावजूद चली, जो ब्रह्मोस मिसाइल में निर्मित हैं और जिन्हें 'संभवत: दुर्घटनावश बाइपास' कर दिया गया था। एक वरिष्ठ रक्षा सूत्र ने कहा कि इसके लिए जिम्मेदारी तय करके सजा तो देनी ही होगी। आखिर यह घटना दो परमाणु शक्ति संपन्न पड़ोसी देशों के बीच 'खतरनाक संघर्ष' को जन्म दे सकती थी। इसकी वजह यह है कि हालांकि मिसाइल में वॉरहेड नहीं था, लेकिन पाकिस्तानी अधिकारियों के पास यह पता करने का कोई तरीका नहीं था। इसके मूवमेंट से उनको इतना ही पता चल सकता था कि यह किस तरह की मिसाइल है। यानी इस बात का पूरा खतरा था कि वे यह मान लेते कि भारत ने उन पर एक न्यूक्लियर हथियार छोड़ा है। इसका स्वाभाविक नतीजा यह हो सकता था कि वे भी भारत पर अपना परमाणु हथियार छोड़ देते और फिर वह परमाणु ध्वंस शुरू होता, जिसमें दोनों ही पक्षों का विनाश तय था।

हालांकि ब्रह्मोस एक परमाण क्षमता से युक्त मिसाइल है, लेकिन जो मिसाइल पाकिस्तान की ओर छूटी, वह नॉन न्यूक्लियर कन्फिगरेशन वाली थी। फिर भी इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि यह परमाणु क्षमता से लैस मिसाइल भी हो सकती थी और

उस स्थिति में वह खाली नहीं होती। चूंकि परमाणु हथियारों का मकसद मूलत: बचाव का इंतजाम करना होता है, इसलिए इन्हें उस स्थिति में रखने की जरूरत होती है कि हमले का पहला संकेत मिलते ही तैनात किया जा सके। भारत की यह नीति भी रही है कि वह पहले एटमी हथियारों का इस्तेमाल नहीं करेगा। वह हमेशा इन हथियारों का इस्तेमाल बचाव के लिए करेगा। लेकिन भारत के परमाणु हथियारों पर किसका कंट्रोल है और अनजाने में हुए किसी लॉन्च की स्थिति में यहां क्या होगा? इन सवालों पर स्थिति साफ नहीं है।

भारत सन 1998 से बाकायदा एक परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र है और 2003 के एक कैबिनेट कमिटी ऑन सिक्यॉरिटी (सीसीएस) नोट के मुताबिक परमाणु हथियारों को लेकर 'पहले इस्तेमाल न करने' की नीति रखता है। इसका मतलब यह है कि ये हथियार किसी परमाणु हमले के जवाब में ही इस्तेमाल किए जा सकते हैं। और इसका फैसला भी राजनीतिक नेतृत्व ही न्यूक्लियर कमांड अथॉरिटी (एनसीए) के जरिए कर सकता है। इस तरह देखा जाए तो प्रधानमंत्री की अगुआई वाली एनसीए की पॉलिटिकल काउंसिल ही वह एकमात्र निकाय है, जो परमाणु हथियारों के इस्तेमाल के लिए अधिकृत कर सकती है। यहां भी ध्यान रखने की जरूरत है कि इसके फैसले एनसीए की एक्जिक्यूटिव काउंसिल की ओर से मुहैया कराए गए इनपुट पर आधारित होते हैं। इस एक्जिक्यूटिव काउंसिल की अगुआई नैशनल सिक्यॉरिटी अडवाइजर (एनएसए) के हाथों में होती है। वैसे एक्जिक्युटिव काउंसिल पॉलिटिकल काउंसिल के दिशानिर्देशों को अमली जामा भी पहनाती है।

हालात कितने खतरनाक होते हैं और इस बार भी कितने खतरनाक हो गए थे, इसका अंदाजा इस बात से मिलता है कि मिसाइल के अपना पूरा रास्ता तय करने तक भारत और पाकिस्तान को प्रतिक्रिया के लिए लगभग 7 मिनट का वक्त मिला। पाकिस्तान का दावा है कि उसने इस पर नजर रखी, लेकिन उसके एयर डिफेंस सिस्टम ने इसे उड़ाया नहीं, जबकि भारत इसे किसी भी तरह रोक पाने में नाकाम रहा। विशेषज्ञों के मुताबिक ब्रह्मोस जैसी पारंपरिक मिसाइलों में खुद को नष्ट करने का मकैनिज्म नहीं होता। हालांकि पृथ्वी और अग्नि जैसी न्यूक्लियर या स्ट्रैटेजिक मिसाइलों के बारे में कहा जाता है कि उनमें एक 'किल स्विच' भी होता है।

कोई वॉर्निंग नहीं

भारत और पाकिस्तान ने 2005 में एक समझौते पर दस्तखत करके यह तय किया था कि वे समुद्र, जमीन या सतह से सतह पर मार करने वाली किसी भी बैलिस्टिक मिसाइल के फ्लाइट टेस्ट से पहले एक-दूसरे को सूचित करेंगे। पाकिस्तान का कहना है कि 9 मार्च को उसे ऐसे किसी भी फ्लाइट टेस्ट की कोई सूचना नहीं दी गई। भारतीय अधिकारियों ने भी एयर या मरीन ट्रैफिक को ऐसे किसी लॉन्च को लेकर कोई वॉर्निंग नहीं जारी की थी। दुनिया कंप्यूटर चिप्स संबंधी गड़बड़ियों या गलती से लॉन्च जैसी स्थितियों के कारण बड़े टकरावों से कई मर्तबा बाल-बाल बची है। इसका मतलब यह है कि परमाणु हथियारों से संबंधित हादसे सफलतापूर्वक टाले जा सकते हैं।

किसे हो रही है 'कश्मीर फाइल्स' से दिक्कत!

भूपेन्द्र पटेल

तारीख: 29 जुलाई 2014... जगह: श्रीनगर... ईद की नमाज़ के फौरन बाद श्रीनगर में अलग-अलग जगहों पर युवक सड़कों पर उतरकर सुरक्षाबलों के खिलाफ पत्थरबाज़ी करने लगते हैं। यूं तो उस दौर में श्रीनगर की सड़कों पर पत्थरबाज़ी होना कोई नई बात नहीं थी। अक्सर जुमे की नमाज़ के बाद ये नज़ारा वहां देखा जाता था। लेकिन उस दिन वो पत्थरबाज़ी कश्मीर की कथित आज़ादी के नाम पर नहीं, बल्कि गाजा मुद्दे पर इज़राइल के खिलाफ थी। इज़राइली सेना की जवाबी कार्रवाई में कुछ फिलिस्तीनी बेघर हो गए और इसी को लेकर श्रीनगर की सड़कों पर खूब बवाल काटा गया।फिलिस्तीन के मुद्दे पर श्रीनगर में हुई ये कोई पहली पत्थरबाज़ी नहीं थी और न ही आखिरी। जब भी इज़राइली बमबारी में फिलिस्तीनी मारे जाते हैं या बेघर होते हैं तो श्रीनगर में उनके समर्थन में ऐसा ही विरोध प्रदर्शन होता है। आखिरी बार 15 मई 2021 को भी श्रीनगर में ऐसा प्रदर्शन हुआ। और जब भी मैं फिलिस्तीनियों के समर्थन में उनके बेघर होने के मुद्दे पर श्रीनगर की सड़कों पर ये प्रदर्शन देखता था या देखता हूं, तो लगता है कि क्या पूरी दुनिया में इससे बड़ा विरोधाभास कुछ और हो सकता है? जिस कश्मीर से वहीं के कश्मीरी पंडित 1990 में भगाए गए, मारे गए उनकी वापसी के पक्ष में श्रीनगर की सड़कों पर आज तक एक प्रदर्शन नहीं देखा गया। उलटा जब-जब उनकी वापसी की बात उठाई गई, उनके लिए अलग बस्ती बनाने की बात की गई, तो वहां के राजनीतिक दलों से लेकर अलगाववादी संगठनों तक सबने रोड़े अटकाए। लेकिन वही कश्मीरी हर कुछ दिनों में इस बात के लिए फिक्रमंद हो जाते हैं कि इज़राइल फिलिस्तीनियों को उनके घर से बेघर क्यों कर रहा है! उन्हें उजाड़ क्यों रहा है? क्या दुनिया में आपको इससे ज़्यादा त्रासदीपूर्ण और बेशर्म मिसाल कहीं और देखने को मिलती है? मिले, तो मुझे फोन कर ज़रूर बताइएगा! और बेशर्मी का सिलसिला यहीं पर नहीं रुकता। और आज इतने सालों बाद जब एक फिल्म के ज़रिए उनके विस्थापन या कत्लेआम का मुद्दा फिर से स्थापित हुआ है। दुनियाभर के लोगों तक उनकी तकलीफ पहुंची तब भी बजाए उसे स्वीकार करने के, अपनी गलती मानने के, एक वर्ग अब भी डिनायल मोड में जी रहा है। तरकश से ऐसा हर तीर निकालकर चलाया जा रहा है जिससे ये साबित हो सके कि या तो कश्मीरी पंडितों के साथ ऐसा कुछ हुआ ही नहीं...हुआ तो इतने बड़े पैमाने पर नहीं हुआ जैसा फिल्म ने दिखाया। बड़े पैमाने पर भी हुआ, तो कश्मीरियों ने नहीं किया, वो तो उस वक्त के राज्यपाल जगमोहन की बदमाशी थी। उस वक्त की केंद्र सरकार की गलती थी जो बीजेपी के समर्थन से चल रही थी। आडवाणी उस वक्त रथयात्रा निकाल रहे थे इसलिए ऐसा हुआ?

मेरे लिए समझ पाना बड़ा मुश्किल है कि एक कौम के साथ ज़्यादती हुई है ये बात कुछ लोगों के लिए स्वीकार पाना इतना मुश्किल क्यों हैं? 5 लाख लोग घर से भगाए गए ये सच है। उनमें से सैकड़ों उस दौरान मारे गए ये भी सच है। ये 5 लाख लोग आज तक अपने घर नहीं आए ये भी सच है, तो इसे स्वीकार कीजिए न। इन दलीलों के क्या मायने हैं कि उस दौरान केंद्र को बीजेपी सरकार समर्थन दे रही थी या आडवाणी यात्रा निकालने वाले थे। क्या इतने भर से एक पूरी की पूरी कौम अपने पुश्तैनी घर छोड़कर भाग जाती है। जब तक आपका पड़ोसी न चाहे, आपके इलाके की पुलिस न चाहे। आपका मुख्यमंत्री न चाह ले। आपके इलाके के आतंकी संगठन धमकी न दे दे, तब तक क्या कोई इंसान केंद्र में त्रिशंकु सरकार की किसी सहयोगी पार्टी की अनजान चाल से घबराकर अपना घर छोड़ता है! ये लिखते वक्त भी मुझे हंसी आ रही है कि ये कैसा वाक्य विन्यास है!

और ये कौनसा तर्कशास्त्र है जो गुजरात में दंगों के वक्त तो ये बताना नहीं भूलता कि उस वक्त राज्य में किसकी सरकार थी लेकिन कश्मीर में पंडितों को भगाने के वक्त केंद्र सरकार के सहयोगी दल ढूंढने लगती है। क्या ऐसा कहने वालों को ये नहीं पता कि उस वक्त राज्य में फारूख अब्दुल्ला की सरकार थी। उस वक्त भारत के गृहमंत्री कश्मीर के ही मुफ्ती मोहम्मद सईद थे और उसी केंद्र सरकार को बीजेपी के साथ 54 सदस्यों वाला वाम मोर्चा भी अपना समर्थन दे रहा था! आप इल्जाम लगाते हैं कि एक तरफा कहानी दिखाकर डायरेक्टर लोगों की भावनाएं भड़का रहा है। वो कुछ लोगों की गलती के लिए एक पूरे समाज को विलेन बता रहा है! और जब आप ऐसा कहते हैं तो समझ नहीं आता कि मैं अपना सिर पीटूं या ताली। आप डायरेक्टर पर इल्ज़ाम लगाते हैं कि वो Selective सच दिखाकर लोगों की भावनाएं भड़का रहा है, तो भाई पिछले सात साल से आप क्या कर रहे हैं? इस देश में 20 करोड़ से ज़्यादा मुसलमान हैं। जो बाकी हिंदुस्तानियों की तरह हर रोज़ अपने काम धंधे पर निकलता है। दुकानदार है तो सामान बेचता है। नौकरीपेशा है तो नौकरी पर जाता है। कहीं वो बॉस है तो कहीं मज़दूर भी। यही मुसलमान काम से घर आता है। बच्चों के साथ खेलता है, खाना खाता है।इधर-उधर की कुछ बात करता है और टीवी देखकर सो जाता है। मगर आप क्या करते हैं? आप नफरत की दो-चार घटनाएं पकड़ते हैं। फिर महीनों उस पर एजेंडा चलाकर ये साबित करने की कोशिश करते हैं कि इस देश में हर मुसलमान के साथ ज़ुल्म ढाया जा रहा है! उसके कत्लेआम की तैयारी हो रही है। वो इतना खौफ में है कि वो घर से नहीं निकल पा रहा है और बेड के नीचे छिप गया है! और मैं पूछता हूं कि जब आप अपने दो-चार-पांच लाख Followers के बीच इस तरह के ट्वीट करते हैं, पोस्ट करते हैं तो क्या आप करते हैं? क्या आप नफरत नहीं फैला रहे होते। एजेंडा नहीं चला रहे होते। बेशक चला रहे होते हैं। आप नहीं सोचते कि ऐसा करके मैं पूरी कौम में दहशत पैदा कर रहा हूं। उनके अंदर बहुसंख्यकों के लिए ज़हर बो रहा हूं। अगर डायरेक्टर के पास फिल्म का मंच है तो आपके पास भी आपका सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है। और जब भी आप अपने मंच पर ऐसा दुष्प्रचार करते हैं तो उस देश को बदनाम करने की कोशिश कर रहे होते हैं जिसने 47 में पाकिस्तान बनने के बाद सेक्युलर बनना तय किया। जिसने अपने ही देश में अपने ही लोगों का पलायन होते देखा लेकिन कहीं उसका बदला नहीं लिया। जिसके संविधान ने हर किसी को अपने तौर तरीके से रहने की छूट दी। मगर आप अपने हर ट्वीट से, हर आर्टिकल से उसी समाज को बदनाम करते हैं। दो-चार घटनाओं को आगे कर उसे पूरे देश का चरित्र बताकर दुनियाभर में अपने देश की ही इज्ज़त उतारते हैं। आप बात कर रहे हैं फिल्म में अच्छे कश्मीरी मुस्लिम किरदार क्यों नहीं है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि दुनिया के हर समाज में सभ्य और उदार लोग होते हैं। लेकिन उस समाज का चरित्र इस बात से तय होता है कि वहां के उदारपंथियों ने वहां के कट्टरपंथियों को उनका एजेंडा पूरा करने से कैसे रोका!

और जब 7 लाख कश्मीरी पंडित वहां से एक बार भगा दिए गए और फिर 30 साल बाद भी वहां बसाए नहीं जा सके तो इस बात के कोई मायने नहीं कि उस दौरान दस लोग क्या सोचते थे। बुरा मानें या भला मोटे तौर पर सच ये है कि कश्मीर का बहुसंख्यक समाज अपने अल्पसंख्यकों की रक्षा करने, उन्हें सुरक्षित महसूस करवाने और उनकी वापसी का अभियान चलाने, उन्हें भरोसा दिलाने में नाकाम रहा है। लेकिन आपके लिए उस बहुसंख्यक वर्ग की नाकामी मायने नहीं रखती। आपके लिए 5 लाख लोगों का दर्द भी मायने नहीं रखता। आप पूरी फिल्म में दूरबीन लगाकर ये देखते रहे कि वो 2 अच्छे मुस्लिम किरदार कहां हैं, कहीं दिखाई नहीं दे रहे। हैरानी है कि पानी की तरह साफ होने के बाद बावजूद एक वर्ग सच्चाई देखने को तैयार नहीं। शायद उसे लगता है कि अगर उसने भी बाकियों की तरह इस फिल्म को स्वीकार कर लिया। कश्मीरी पंडितों पर मुस्लिम आतंकियों के अत्याचार की बात कुबूल कर ली, तो इससे राइट विंग को और शै मिल जाएगी। वो और खूंखार हो जाएगा।

राज्य में उद्योग की बयार

मिलेगा रोजगार!-वित्त राज्यमंत्री शंभुराजे देसाई

मुंबई। विपक्ष की ओर से सत्ता पक्ष के तीनों दलों में लकड़ी लगाने के प्रयास को निरर्थक बताते हुए वित्त राज्यमंत्री शंभुराजे देसाई ने कहा कि महाविकास आघाड़ी एक परिवार है। इस परिवार के मुखिया मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे हैं। उनके मार्गदर्शन में ही यह सरकार जनहित में बेहतर काम कर रही है। वे बुधवार को विधान परिषद में बजट पर चर्चा का जवाब दे रहे थे।विपक्ष की खिंचाई करते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष महाविकास आघाड़ी के घटक दल शिवसेना, कांग्रेस और राकांपा के बीच लकड़ी लगाने का काम न करे। हमारे बीच जो भी है, हम समझेंगे यह हमारे घर का विषय है। उन्होंने कहा कि महाविकास आघाड़ी ने तय किया है कि उद्धव ठाकरे जो कहेंगे, वही अंतिम निर्णय होगा। विपक्ष के लोग कितना भी झगड़ा लगाने का प्रयास करें, इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

बजट में सभी का खयाल

शंभुराजे ने कहा कि सरकार ने इस वर्ष सामरिक बजट पेश किया है। सभी समूह, वर्ग, जाति और क्षेत्र के लोगों को ध्यान में रखकर यह बजट पेश किया गया है। वंचित घटकों के लिए पिछले वर्ष की तुलना में ३० प्रतिशत अधिक निधि आवंटित की गई है।

मंदिर, धार्मिक स्थल, पर्यटन क्षेत्र, एयरपोर्ट, कौशल विभाग के लिए भी हमने भरपूर निधि आवंटित की है।

राज्य में उद्योग की गाड़ी पूरी स्पीड से दौड़ रही है। बड़ी संख्या में राज्य में निवेश प्राप्त हुआ है। पिछले दो वर्षों में निवेश के लिए ९८ कंपनियों के साथ सामंजस्य करार कर कुल ४ लाख करोड़ रुपए का निवेश जुटाया गया है। शंभुराजे ने कहा कि इसलिए राज्य में इंडस्ट्रियल ग्रोथ का क्या हुआ? यह पूछने वाले विपक्ष को मै बताना चाहूंगा कि महाविकास आघाड़ी सरकार ने ९८ सामंजस्य करार किया है। इनमें से ५८ कंपनियों को कारखाना लगाने के लिए जमीन हस्तांतरित कर दी गई है। १५ को निजी जमीन दी जा रही है। बाकी के लिए प्रक्रिया शुरू है। मात्र ५ मामले हैं, जिन्हें होल्ड पर रखा गया है।

दूसरा पेन ड्राइव बम भी हुआ फुस्स!

मुंबई। विधानसभा में विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस राज्य की महाविकास आघाड़ी सरकार को मुश्किलों में डालने के लिए नई-नई तकरीबें ढूंढ़ते रहते हैं। पिछले कुछ दिनों से फडणवीस 'पेनड्राइव बम' के जरिए आघाड़ी सरकार को कटघरे में खड़ा करने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन उनके द्वारा सामने लाई गई दूसरी पेन ड्राइव भी पहली पेन ड्राइव की तरह फुस्की साबित हुई है। उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने कल यह कहकर फडणवीस की पोल खोल दी कि वक्फ बोर्ड में जब डॉ. मुदस्सर लांबे की नियुक्ति सदस्य के तौर पर फडणवीस सरकार के दौर में हुई थी न कि महाविकास आघाड़ी सरकार के कार्यकाल में। अजीत पवार ने खुलासा किया है कि फडणवीस की सरकार में वक्फ बोर्ड के सदस्यों का चुनाव हुआ था, जिसमें डॉ. लांबे चुनकर आए थे। इस तरह से अजीत पवार ने फडणवीस के दूसरे पेन ड्राइव बम की भी हवा निकाल दी है।बता दें कि बीते दिनों विधानसभा में फडणवीस ने स्टिंग ऑपरेशन की दूसरी पेन ड्राइव पेश करते हुए आरोप लगाया था कि वक्फ बोर्ड के सदस्य डॉ. लांबे के अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम से संबंध हैं। डॉ. लांबे और मोहम्मद अरशद खान के संवाद की ऑडियो क्लिप सबूत के तौर पर फडणवीस ने सदन में पेश की थी। फडणवीस ने आरोप लगाया कि महाविकास आघाड़ी सरकार में दाऊद के करीबियों की नियुक्तियां की जा रही हैं।

शिवसेना की मांगः महाराष्ट्र में एथेनॉल के नए प्लांट स्थापित कराने की अनुमति दी जाए

नई दिल्ली। शिर्डी से शिवसेना सांसद सदाशिव लोखंडे ने लोकसभा में सरकार से एथेनॉल के उत्पादन को बढ़ाने के लिए महाराष्ट्र में एथेनॉल के नए प्लांट स्थापित कराने की अनुमति तथा तेल कंपनियों के माध्यम से इसकी सीधी खरीद हो, इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाने जाने का सरकार से अनुरोध किया। उन्होंने सदन में सरकार का ध्यान इस मुद्दे की ओर आकर्षित करते हुए कहा कि महाराष्ट्र गन्ने की उपज में दूसरे नंबर पर है, लेकिन आज भी गन्ना उत्पादकों को उपज का सही दाम नहीं मिल रहा है। आज भी उनका गन्ना मिलों की तरफ काफी रुपया बकाया पड़ा है। उन्होंन कहा कि प्रदेश में आजादी से पहले जिन सहकारी चीनी मिलों की स्थापना महज 2 से 5 करोड़ की लागत में की गई थी, आज वे जिला सहकारी बैंकों द्वारा उन्हें दिए गए कई करोड़ रुपये कर्ज में डूबी हुई है। उन्होंने सदन को इस मुद्दे से भी अवगत किया कि महाराष्ट्र में एथेनॉल के उत्पादन के लिए 25 किलोमीटर का दायरा निश्चित किया गया है और गन्ना उत्पादकों को 2500 रुपये प्रति टन दाम दिया जा रहा है।

22 मार्च को पूरी हो जाएगी चांदीवाल कमेटी की सुनवाई - पेश हुए देशमुख और वाझे

मुंबई। राज्य के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख पर लगे कथित भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए गठित चांदीवाल कमेटी की सुनवाई अंतिम पडाव पर पहुंच गई है। गुरुवार को मामले से जुड़े राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता देशमुख व बर्खास्त पुलिस अधिकारी सचिन वाझे को कमेटी के सामने पेश किया गया। पूर्व मुंबई पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह ने बर्खास्त पुलिस अधिकारी वाझे से मिली जानकारी के आधार पर मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर देशमुख के कथित सौ करोड़ रुपए की वसूली के भ्रष्टाचार का खुलासा किया था। इसके बाद इन आरोपों की जांच के लिए राज्य सरकार ने पूर्व न्यायमूर्ति के.यू.चांदीवाल की अध्यक्षता में कमेटी गठित की थी।

चंद्रपुरः हथियार का डर दिखाकर लूटे 18 लाख

चंद्रपुर. जिले की मूल तहसील के मूल-जानाला मार्ग पर दो अज्ञात लोगों ने हथियार दिखाकर दोपहिया वाहन चालक से 18 लाख रुपए लूट लिए। घटना बुधवार की रात को हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्थानीय गोयल बंधुओं की महालक्ष्मी सीमेंट एंड हार्डवेयर कंपनी के कर्मी दिनेश चलाख और अक्षय गसेचर्धन बुधवार को ग्राहकों से वसूली कर जमा किए 18 लाख 93 हजार 520 रुपए लेकर लौट रहे थे कि जनाला-मूल मार्ग पर अज्ञात दोपहिया ने उनकी दोपहिया को टक्कर मारी। दोपहिया सवार लुटेरों में से एक ने अक्षय को हथियार दिखाकर पीटा और उससे रुपए से भरा बैग छीनकर भाग निकले। मूल पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है।

यवतमालः उपजिलाधिकारी समेत 7 पर हत्या का मामला दर्ज

यवतमाल. जिले में सहायक आयुक्त रह चुके पति के हत्याकांड में उपजिलाधिकारी पद पर कार्यरत पत्नी समेत 7 आरोपियों को बुधवार की देर रात नामजद किया गया है। मृतक सहायक आयुक्त का नाम शरदकुमार सुधाकर खंडालीकर (32) है। आरोपी पत्नी जो यवतमाल जिले में उपजिलाधिकारी पद पर कार्यरत है, उसका नाम स्नेहा शरदकुमार खंडालीकर (37) है। इस हत्याकांड में अन्य 6 लोगों को सहायता करने के लिए आरोपी बनाया गया है। अन्य आरोपियों में उपजिलाधिकारी का भाई अभिषेक चंद्रशेखर उबाले (30), अशोक खोलंबे (56), मनीषा अशोक खोलंबे (54), अक्षय खोलंबे (30), कपिल सातपुते (33) और अंकीता (33) सातपुते का समावेश है। मृतक के भाई सुरेंद्र खंडालीकर (25) ने आरोप लगाया है कि 25 अगस्त 2020 को पत्नी और अन्य 6 आरोपियों ने शरदकुमार को जानबुझकर मानसिक, शारीरिक यातनाएं देकर उसकी हत्या की। पहले लोहारा पुलिस ने आकस्मिक मौत का अपराध दर्ज किया था। मगर मृतक के पोस्ट मार्टम रिपोर्ट में मारपीट के गहरे जख्म पाए गए थे।

मुंबई पर छाया हीटवेव का साया, 40 डिग्री के पास पहुंचा तापमान

मुंबई: देश की आर्थिक राजधानी मुंबई का तापमान अब तेजी से बढ़ रहा है। जिसका असर मुंबईकरों पर भी पड़ता हुआ नजर आ रहा है। मायानगरी में फिलहाल तापमान 40 डिग्री के करीब तक पहुंच चुका है। मुंबई और महाराष्ट्र के तटीय इलाकों के पास बढ़ते तापमान को लेकर मौसम विभाग ने मंगलवार को ऑरेंज और बुधवार को येलो अलर्ट भी जारी किया था। बीते सोमवार को तापमान 39.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया था। जो सामान्य से आठ डिग्री ज्यादा था। मौसम विभाग(Mumbai Weather Department) की माने तो आने कुछ दिनों तक ऐसे ही हालात बने रहेंगे। रात में भी तापमान के 24 डिग्री तक जाने के आसार हैं।आखिर मार्च के महीने में ही शहर में इतनी गर्मी क्यों है और क्या यह जानलेवा भी हो सकती है। यह सवाल भी अब लोगों के मन में उठ रहा है। क्या है हीट वेव? किसी भी मैदानी इलाके में हीट वेव का प्रकोप तक माना जाता है। जब उस जगह का तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच जाए। वहीं पहाड़ी इलाकों में यह 30 डिग्री होता है और समुद्र तटीय इलाकों में यह 37 डिग्री होता है। मौसम विभाग किसी भी राज्य को हीट वेव से ग्रसित तब मानता है। जब उस जगह का तापमान सामान्य से 4.5 से 6 डिग्री तक ऊपर चला जाता है। इसके अलावा कई जगहों पर तापमान के 45-47 डिग्री जाने पर भी हीटवेव का आना माना जाता है।

ठाणे में १२ से १४ वर्षीय बच्चों का टीकाकरण शुरू

ठाणे। कोरोना से बच्चों को बचाने के लिए उनका टीकाकरण अभियान शुरू किया गया है। कल बुधवार से पार्किंग प्लाजा डेडिकेटेड कोविड सेंटर में १२ से १४ वर्ष के बच्चों को टीका लगाया जा रहा है। ठाणे मनपा आयुक्त ने अभियान की शुरुआत के साथ ही बच्चों के परिजनों को आगे आकर अपने बच्चों को टीका लगवाने की अपील की है। उन्होंने बताया कि टीके से बच्चों की इम्युनिटी बढ़ेगी और कोरोना से बच्चों को कोई हानि नहीं होगी। बता दें कि सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार १२ से १४ वर्ष की आयु के बच्चों का टीकाकरण शुरू किया जा चुका है। बच्चों को केवल कॉर्बेवैक्स वैक्सीन का टीका लगाया जाएगा। टीकाकरण के लिए ठाणे मनपा को कुल ३५,००० खुराक उपलब्ध कराई गई है। पार्किंग प्लाजा डेडिकेटेड कोविड अस्पताल में पहले दिन टीकाकरण की शुरुआत ठाणे मनपा आयुक्त डॉ. बिपिन शर्मा ने की। टीके की उपलब्धता के अनुसार मनपा क्षेत्र के स्कूलों में टीकाकरण सत्र आयोजित किए जाएंगे और इससे विद्यार्थियों को लाभ होगा। डॉक्टर का क्या कहना है? ठाणे सिविल अस्पताल अधीक्षक डॉ. वैâलाश पवार ने बताया कि बच्चों के टीकाकरण पर आम लोगों में कोई संदेह नहीं होना चाहिए। टीकाकरण के कारण ही हम तीसरी लहर को हराने में कामयाब रहे हैं।

याद रखें एक डोज लेने के बाद २८ दिनों बाद दूसरा डोज लेना जरूरी है।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए 'तीसरी नज़र', मुंबई की लोकल ट्रेनों में में लगेंगे और सीसीटीवी कैमरे

मुंबईः पिछले सप्ताह चर्नी रोड स्टेशन के पार लोकल ट्रेन में महिला पर हुए हमले ने एक बार फिर सुरक्षा पर सवाल खड़े किए हैं। पश्चिम रेलवे की 66 फीसद लोकल ट्रेनों के डिब्बे में सीसीटीवी लगाए जा चुके हैं, लेकिन ये संख्या बढ़ाने की जरूरत है। पश्चिम रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार पश्चिम रेलवे के 211 महिला कोच हैं, इनमें से 139 में सीसीटीवी लगाए जा चुके हैं। इनमें से ज्यादातर ट्रेनें चर्चगेट-विरार के 60 किमी रूट पर चलती हैं। अब रेलवे चर्चगेट से दहानु रोड के 123 किमी रूट पर चलने वाली सभी ट्रेनों के महिला कोच में सीसीटीवी लगाने की तैयारी कर रही है। चर्नीरोड स्टेशन पर हुई घटना में भी जीआरपी का दावा है कि अपराधी का चेहरा सीसीटीवी में क़ैद हुआ है। आधुनिक तकनीक के इन हाई डेफिनेशन वाले सीसीटीवी में 4K क्वॉलिटी की तस्वीरें रिकॉर्ड करने की क्षमता है।

इतनी साफ तस्वीरों की मदद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी ढंग से इस्तेमाल होता है। एक अधिकारी ने बताया कि एआई तकनीक वाले इन कैमरा से अपराधी की हलचल को भी कंट्रोल रूम से मॉनिटर किया जा सकता है। मसलन, चर्नी रोड केस में अपराधी का चेहरा कैद होने के बाद अब रेलवे स्टेशनों सहित शहर में भी यदि उसकी कोई गतिविधि दिखाई देगी, तो उसे पहचान लिया जाएगा। एक आरपीएफ के अधिकारी ने बताया कि इन सीसीटीवी से अपराधी के बारे में 80 फीसद तक सूचना मिलने की संभावना है।

27 केस में मिली है मदद

जीआरपी के एक अधिकारी में बताया कि फरवरी में करीब 57 आपराधिक घटनाएं सीसीटीवी में कैद हुई हैं। इनमें से 27 केस को सुलझा लिया गया है। 26/11 हमलों के बाद रेलवे स्टेशनों पर आईएसएस यानी इंटिग्रेटेड सिक्यूरिटी सिस्टम की योजना तैयार की गई। इस योजना के तहत 2729 सीसीटीवी चर्चगेट से विरार तक लग चुके हैं। अब इसका दायरा दहानु रोड तक बढ़ाया जाएगा। चर्नी रोड की घटना में अपराधी घटना को अंजाम देने के बाद महिला कोच से उतरता हुआ दिखाई दे रहा है।

बताया जा रहा है कि चेन स्नेचिंग के मकसद से उसने महिला पर हमला किया। इस छीना झपटी में अपराधी के नाखून उसकी गर्दन पर लग गए। बहरहाल, जीआरपी ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार जल्द ही अपराधी को पकड़ लिया जाएगा।

पेपर लीक हुआ तो स्कूल की मान्यता होगी रद्द, महाराष्ट्र सरकार का बड़ा फैसला

मुंबई: परीक्षा में नकल रोकने के लिए सरकार कठोर कदम उठाएगी। राज्य की स्कूली शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड ने कहा कि महाराष्ट्र बोर्ड की कक्षा 12वीं और 10वीं की परीक्षा में नकल कराने वाले स्कूलों की मान्यता रद्द करने का निर्णय लिया है। इसकी शुरुआत औरंगाबाद के पैठण से की गई है। साथ ही भविष्य में उन्हें कभी बोर्ड की परीक्षा आयोजित करने की अनुमति नहीं मिलेगी। बुधवार को विधान परिषद में कांग्रेस के उम्मीदवार जयंत आसगावकर ने औरंगाबाद के स्कूल में मुख्याध्यापक और कर्मचारी द्वारा नकल कराने का मुद्दा उठाया था। शिक्षा मंत्री गायकवाड ने सदन में कहा कि 15 मार्च को 10वीं की परीक्षा के दौरान मराठी विषय की परीक्षा में नकल कराने के मामले में औरंगाबाद के पैठण तहसील के लक्ष्मीबाई माध्यमिक व उच्च माध्यमिक स्कूल की मान्यता रद्द करने का फैसला लिया है। उन्होंने बताया कि औरंगाबाद के कन्नड़ तहसील के परीक्षा केंद्र में उड़न दस्ते ने एक छात्रा की मोबाइल की जांच की तो उसमें प्रश्न पत्र मिला था, लेकिन वह छात्रा परीक्षा केंद्र पर देरी से आई थी। शिक्षा मंत्री गायकवाड ने कहा कि कोरोना के कारण हर स्कूल को परीक्षा केंद्र बनाया गया है, इसलिए गृह विभाग से परीक्षा केंद्रों पर पुलिस सुरक्षा देने की मांग की है। राज्य के गृह मंत्री दिलीप वलसे-पाटील ने पुलिस सुरक्षा के बारे में उचित निर्देश भी दिए हैं। इसके साथ जिला प्रशासन के अधिकारियों को भी परीक्षा केंद्रों पर दौरा करने के लिए कहा गया है।

महाराष्ट्र शासन
कार्यकारी अभियंता, इलाखा शहर विभाग, (सा.बां.वि.) यांचे कार्यालय
Email : presidency.ee@mahapwd.gov.in
☎ २२०१६९७५
२२०१६९७३
महाराष्ट्र शासन

ई -निविदा सुचना क्र. १०४ सन २०२१-२०२२

कार्यकारी अभियंता, इलाखा शहर विभाग, मुंबई (दुरध्वनी क्रमांक-२२०१६९७५ /२२०१६९७७) महाराष्ट्र शासनाच्या सार्वजनिक बांधकाम खात्याकडे योग्य वर्गातील नोंदणीकृत कंत्राटदाराकडून खालील कामाकरीता ब-१ नमुन्यातील निविदा ई-निविदा प्रणालीव्दारे (ऑनलाईन) मागवित आहेत. निविदा स्विकारण्याचा अथवा नाकारण्याचा अधिकार कार्यकारी अभियंता, इलाखा शहर विभाग, मुंबई यांनी राखून ठेवला आहे.

अ.क्र.	कामाचे नाव	अंदाजित रक्कम रु. लक्ष
१	मादाम कामा रोड मुंबई येथील मा. मंत्री महोदय बंगला-सी टाईपची वार्षिक देखभाल व दुरुस्ती करणे.	१८.६२
२	नविन विधानभवन, मुंबई येथील वार्षिक देखभाल व दुरुस्ती करणे.	१२.७३

ई-निविदा उपलब्ध कालावधी- दि. १४.३.२०२२ ते दि. २८.३.२०२२ पर्यंत.
ई-निविदा उघडणे- दि. २९.३.२०२२ रोजी दुपारी ३.०० वाजता

निविदा सुचने मध्ये काही बदल/सुधारणा करावयाची असल्याचे शुध्दीपत्रक वृत्तपत्रामध्ये प्रसिध्द करण्यात येणार नाही. त्याबत सर्व बदल ऑनलाईन निविदा प्रक्रियेमध्ये प्रसिध्द केले जाईल.

खालील संकेतस्थळावरुन ई-निविदाची सर्व माहीती उपलब्ध आहे.
1) www.mahapwd.com
2) http :// mahatenders.gov.in

जा.क्र. इशवि/निलि/२९५२
कार्यकारी अभियंता
इलाखा शहर विभाग, मुंबई यांचे कार्यालय,
सार्वजनिक बांधकाम विभाग,
२ रा मजला,बांधकाम भवन,
२५ मर्झबान रोड, फोर्ट,
मुंबई- ४०० ००१.
दिनांक : १०/०३/२०२२

सही/-
सी.टी. नाईक
कार्यकारी अभियंता,
इलाखा शहर विभाग, मुंबई.

मुंबई में अब कचरे की किट-किट खत्म, घर पर होगा डिस्पोजल, कुर्ला से शुरू बीएमसी का प्रॉजेक्ट

मुंबई: महानगर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए बीएमसी(BMC) ने कुर्ला से घर पर ही कचरे के डिस्पोजल के लिए एक महत्वाकांक्षी परियोजना शुरू की है। इसमें सोसायटियों और स्लम में गीले कचरे से खाद बनाई जाएगी और घर में उत्पन्न सूखे कचरे और खतरनाक कचरे का निस्तारण किया जाएगा। घन कचरा विभाग की उपायुक्त संगीता हसनाले ने कहा कि गीले कचरे के लिए हरे रंग के डिब्बे, सूखे कचरे के लिए नीले डिब्बे और खतरनाक कचरे के लिए काले डिब्बे उपलब्ध कराए जाएंगे। बीएमसी ने 2 अक्टूबर, 2017 से सोसायटियों के लिए कचरे का प्रबंधन करना अनिवार्य कर दिया है। इसमें 20,000 वर्ग

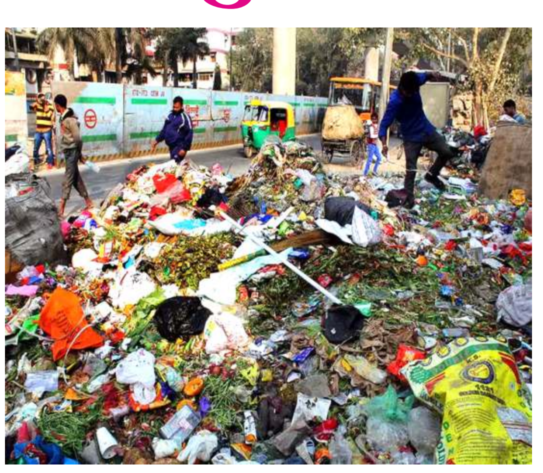

मीटर से अधिक बड़ी हाउसिंग सोसायटियों और 100 किलो से अधिक कचरा पैदा करने वाली सोसायटियों, भवनों व प्रतिष्ठानों को गीले कचरे का निपटारा करना अनिवार्य किया गया है।ऐसा करने वाली सोसायटियों को प्रॉपर्टी टैक्स में छूट भी दिया जा रहा है। इससे मुंबई में प्रतिदिन कचरे का उत्पादन साढ़े सात हजार मीट्रिक टन से घटकर लगभग साढ़े पांच से छह हजार मीट्रिक टन रह गया है। - गीले कचरे से कंपोस्ट बनाने के लिए तीन लेयर वाले कंपोस्टिंग डिब्बे उपलब्ध कराए जाएंगे। एक डिब्बा भरने के बाद दूसरा और तीसरा डिब्बा भरने की व्यवस्था की जाएगी। एंजाइमा के प्रयोग से कंपोस्टिंग से कोई दुर्गंध नहीं आएगी।-

वेब सीरीज क्यों देखनी चाहिए?

हिरल शाह

जब वेब सीरीज देखने की बात आती है, तो कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। सबसे पहले, वेब श्रृंखला आम तौर पर पारंपरिक टीवी शो या फिल्मों से छोटी होती है। इसका मतलब है कि उन्हें अधिक तेज़ी से और बिना अभिभूत महसूस किए देखा जा सकता है। दूसरा, वेब सीरीज अक्सर पारंपरिक टीवी शो या फिल्मों की तुलना में अधिक आकर्षक होती हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि वे कमेंट्री और बातचीत को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं। तीसरा, वेब श्रृंखला में अक्सर पारंपरिक टीवी शो या फिल्मों की तुलना में शैलियों की एक विस्तृत श्रृंखला होती है। इसका मतलब है कि आपको देखने के लिए कई तरह की शैलियां और कहानियां मिल सकती हैं। अंत में, वेब श्रृंखला अक्सर दुनिया पर एक अनूठा दृष्टिकोण पेश करती है जो नियमित टीवी शो और फिल्में हमेशा पेश नहीं करती हैं।

वेब सीरीज क्यों देखते हैं?

जिस विषय में आप रुचि रखते हैं, उसके बारे में जानने के लिए वेब

श्रृंखला बहुत अच्छी हो सकती है। वेब श्रृंखला के माध्यम से सीखने की सराहना करने के लिए आपको विषय के विशेषज्ञ होने की आवश्यकता नहीं है। वर्षों से, हमने देखा है कि लोग सामान्य रूप से अर्थशास्त्र के बारे में अधिक जानने के लिए या यात्रा के दौरान स्पेनिश का अध्ययन करने के लिए वेब श्रृंखला का चयन करते हैं।

आखिरकार, वेब सीरीज लोगों को नई चीजें सीखने और उनके ज्ञान के आधार को विकसित करने में मदद कर सकती है। यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि वेब सीरीज़ बस यही हैं: वे उन लोगों द्वारा बनाई और साझा की जाती हैं जो एक निश्चित विषय या सामग्री की शैली से प्यार करते हैं और इसे दूसरों के साथ साझा करना चाहते हैं।

क्या वेब सीरीज को बेहतरीन बनाता है?

और आपको उन्हें अभी क्यों देखना शुरू कर देना चाहिए। YouTube इंटरनेट पर सबसे लोकप्रिय वेबसाइट है, जिसके हर महीने लगभग 1 बिलियन अद्वितीय उपयोगकर्ता हैं। साइट पर एक महीने में औसतन 4 बिलियन से अधिक वीडियो देखे जाते हैं, जो कि फेसबुक के औसत मासिक उपयोगकर्ता आधार के 15 गुना से अधिक है।

इसकी लोकप्रियता के परिणामस्वरूप, YouTube रचनाकारों के लिए अपने काम को प्रकाशित करने के लिए एक उत्कृष्ट स्थान बन गया है। क्लासिक संगीत वीडियो से लेकर कॉमेडी स्केच तक - और बीच में सब कुछ - ऐसे हजारों चैनल हैं जो YouTube और अन्य साइटों पर अपना काम प्रसारित करते हैं। लेकिन सभी क्रिएटर्स के पास अपने काम को ऑनलाइन शेयर करने के लिए एक जैसा प्लेटफॉर्म नहीं होता है। यदि आप अपनी खुद की सामग्री नहीं बनाना चाहते हैं, तो यह चुनना मुश्किल हो सकता है कि कौन से चैनल आपके लिए सही हैं।

हर सुबह खाली पेट जीरा का पानी पीने की डालिए आदत, पाचन सहित शरीर को होंगे ऐसे गजब के फायदे

हमारे घरों में आसानी से उपलब्ध कई चीजें सेहत को अविश्वसनीय लाभ प्रदान कर सकती हैं। हम रोजाना भोजन के लिए कई सारे मसालों और औषधियों को प्रयोग में लाते हैं, पर क्या आप जानते हैं कि ये आपके लिए कितने लाभकारी हो सकते हैं? आयुर्वेद में रोजाना प्रयोग में लाई जाने वाली तमाम औषधियों और मसालों के गुणों का जिक्र मिलता है। इनका सेवन करके आप कई तरह की गंभीर बीमारियों के जोखिम को भी कम कर सकते हैं। जीरा ऐसा ही एक लोकप्रिय मसाला है जो न सिर्फ भोजन को स्वादिष्ट बनाने के काम आता है, साथ ही इसका सेवन पेट से लेकर इम्युनिटी तक को बेहतर बनाए रखने के लिए वर्षों से प्रयोग में लाया जाता रहा है।

आयुर्वेद में जीरा का पानी पीने के अद्भुत स्वास्थ्य लाभ का जिक्र मिलता है, विशेषरूप से सुबह खाली पेट इसका नियमित सेवन कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं में आपके लिए लाभकारी हो सकता है। जीरा में पोटैशियम और आयरन जैसे पोषक तत्वों की भी उपलब्धता होती है, जो आपके शरीर को निरंतर कार्य करते रहने में काफी मदद कर सकती है। आइए आगे की स्लाइडों में रोज सुबह जीरा का पानी पीने से होने वाले फायदों के बारे में जानते हैं।

पेट से संबंधित समस्याओं में कारगर

वर्षों से पेट से संबंधित तमाम समस्याओं के घरेलू उपचार के तौर पर जीरा को प्रयोग में लाया जाता रहा है। रात भर भीगे हुए जीरे का पानी पीने से न सिर्फ पेट साफ रहता है, साथ ही कब्ज, अपच और मतली जैसी समस्याओं में भी आपको विशेष लाभ मिल सकता है।

जीरा का पानी पेट की अम्लता और सूजन को भी कम करने में मदद करता है।

गैस और बदहजमी के कारण पेट दर्द की समस्या में भी राहत दिलाने में जीरे का पानी पीना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। जीरा का पानी, आम तौर पर पाचन एंजाइमों के स्राव को उत्तेजित करता है और पाचन प्रक्रिया को तेज करता है।

त्वचा को स्वस्थ रखने में मददगार

जीरे का पानी कैल्शियम, पोटेशियम, मैंगनीज और सेलेनियम जैसे खनिजों में समृद्ध होता है जो त्वचा की सेहत को सुधारने में काफी फायदेमंद माना जाता है। ये सभी पोषक तत्व आपकी त्वचा को साफ और चमकदार बनाने में मदद करते हैं। जीरे के पानी में प्रचुर मात्रा में विटामिन-ई भी होता है जिसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो समय से पहले बुढ़ापे के लक्षणों को रोकने में सहायक है। नियमित रूप से एक गिलास जीरा पानी पीने से आपकी

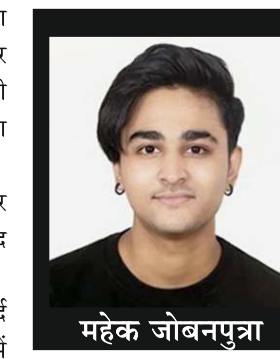
महेक जोबनपुत्रा

त्वचा पर दिखाई देने वाली झुर्रियां भी कम हो सकती हैं। इम्युनिटी पावर को मिलती है मजबूती

शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को भी बेहतर बनाए रखने के लिए जीरा का पानी पीना आपके लिए काफी अच्छा विकल्प माना जाता है। जीरा आयरन और डाइट्री फाइबर का एक उत्कृष्ट स्रोत है, जो इम्युनिटी को मजबूती देने में सहायक है। यह बीमारियों से लड़ता है और आपके बीमार पड़ने की आशंका को कम करता है। च

ूंकि जीरा का पानी पाचन के लिए बेहतर माना जाता है, जिससे भोजन से पोषक तत्वों का अवशोषण बढ़ता है। इम्युनिटी पावर के लिए तमाम पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है।

अस्थमा-सांस के मरीजों के लिए थोड़ी सी भी लापरवाही बन सकती है बड़ी मुसीबत

रंजनबेन मसोया

देशभर में होली के त्योहार की धूम है। रंगों और आनंद के इस त्योहार पर पिछले साल की ही तरह फिर से कोरोना का साया है। संक्रमण के खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों से लगातार सुरक्षात्मक उपायों को प्रयोग में लाते रहने की अपील कर रहे हैं। होली में लोग एक दूसरे को रंग लगाकर, बधाइयां देते हैं। होली के इस त्योहार में सभी लोगों को कोरोना के साथ-साथ कई अन्य स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर भी अलर्ट रहना चाहिए। विशेषकर जिन लोगों को पहले से अस्थमा, सीओपीडी जैसी सांस की बीमारियां हैं, उन्हें होली में सेहत का खास ख्याल रखने की सलाह दी जाती है। होली के दिन चारों तरफ उड़ रहे रंग-गुलाल, सांस की समस्याओं के शिकार लोगों की लिए परेशानियां बढ़ा सकते हैं। वातावरण में फैले गुलाल के कारण आपको सांस लेने में दिक्कत, सांस फूलने की समस्या हो सकती है। यही कारण है कि सांस के रोगियों को होली खेलते समय विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। आइए आगे की स्लाइडों में जानते हैं कि किन बातों को ध्यान में रखकर आप किसी भी तरह की स्वास्थ्य जटिलताओं से बचे रह सकते है? सांस की बीमारियों के शिकार लोगों के लिए यह बातें जानना बहुत आवश्यक है।

अस्थमा रोगी सेहत को लेकर रहें अलर्ट

अस्थमा रोगियों को होली के दिन उत्सव के बीच सेहत को लेकर बिल्कुल भी लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। रंगों, विशेषकर सूखे रंगों के संपर्क में आने के कारण आपको सांस फूलने या सांस लेने में दिक्कत हो सकती है। इस तरह की दिक्कतों से बचे रहने के लिए सूखे रंगों से होली खेलने से बचें। आपातकालीन स्थित के लिए पहले से ही दवाइयां और इनहेलर की व्यवस्था रखें। चूंकि होली के दिन ज्यादातर अस्पताल बंद होते हैं, ऐसे में प्राथमिक देखभाल की व्यवस्था और दवाइयों का पहले से ही प्रबंध कर लें।

आहार और हाइड्रेशन का रखें ख्याल

होली के उत्सव के बीच सेहत का ख्याल रखना भी बहुत आवश्यक है। सांस के रोगियों को कई तरह की जटिलताओं से बचाने में पौष्टिक आहार का सेवन सहायक हो सकता है। इसके अलावा होली के समय पानी पीते रहें। रंगों के कारण गला सूखने या कम पानी पीने से डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है, जिससे कारण सांस फूलने की समस्या हो सकती है। पौष्टिक और स्वस्थ आहार का सेवन सुनिश्चित करें।

इन बातों का रखें विशेष ध्यान

- ✪ अस्थमा और एलर्जिक राइनाइटिस से पीड़ित लोग कुछ सामान्य सी बातों को ध्यान में रखकर होली का आनंद उठा सकते हैं।
- ✪ रंगों, धुएं वाले रंग और अन्य प्रदूषकों के संपर्क में आने से बचें। ये अस्थमा अटैक या सांस की समस्याओं को ट्रिगर कर सकते हैं।
- ✪ सूखे रंगों से बचाव करें। होली खेलने के समय घरों में रहना आपकी सेहत के लिए अच्छा माना जाता है।
- ✪ बाहर जाते समय अपने मुंह और नाक को ढकने वाले स्कार्फ का प्रयोग करें या फेस मास्क पहनें।
- ✪ सुनिश्चित करें कि आपके आस-पास के लोगों को पता है कि आपको अस्थमा है, ताकि वे आप पर रंग न लगाएं।
- ✪ संतुलित आहार लें। विटामिन-डी से भरपूर खाद्य पदार्थ आपके लिए फायदेमंद हो सकता है, ये सूजन को कम करने में मदद करते हैं।
- ✪ नियमित रूप से शारीरिक गतिविधि जैसे व्यायाम और योग करें। इससे आपको स्वस्थ वजन बनाए रखने में मदद मिलेगी और अस्थमा के लक्षणों को कम कर सकेंगे।

अध्ययन में दावा: छोटे बच्चों में ओमिक्रॉन के कारण बढ़ी सांस की दिक्कत

कोरोना वायरस के ओमिक्रॉन वेरिएंट को लेकर हुए एक अध्ययन के मुताबिक बच्चों में होने वाली सांस की सामान्य बीमारी से ओमीक्रान का संबंध है। जर्नल 'पीडियाट्रिक्स' में हाल ही में प्रकाशित एक अध्ययन की रिपोर्ट के मुताबिक, ओमिक्रॉन वैरिएंट के मामले जब बढ़े तो छोटे बच्चों में क्रूप की बीमारी में भी बढ़ोतरी देखी गई। रिपोर्ट में कहा गया कि एक मार्च 2020 से 15 जनवरी, 2022 तक बोस्टन बाल चिकित्सालय के आपातकालीन विभाग में लगभग 75 बच्चों को भर्ती कराया गया। इन बच्चों में कोविड 19 के ओमिक्रॉन वैरिएंट और क्रूप संक्रमण, इन दोनों के लक्षण दिखाई दिए। क्रूप बीमारी क्या है? आमतौर पर सामान्य सांस संबंधी बीमारी को कंठशोथ या क्रूप कहा जाता है। क्रूप एक ऐसा संक्रमण है, जो बच्चों की सांस की नली से जुड़ा होता है और संक्रमण बढ़ने पर सांस को रोकने लगता है। इसके कारण एक खास किस्म की सूखी खांसी होने लगती है।

कब होती है क्रूप की बीमारी

दरअसल, क्रूप की समस्या तब होती है, जब सर्दी के कारण या अन्य किसी वायरस की वजह से वॉयस बॉक्स, सांस की नली और उसके आसपास सूजन होने लगती है। क्रूप की बीमारी गंभीर होने पर सांस लेने में तकलीफ होने लगती है। किस आयु के बच्चों पर क्रूप और ओमिक्रॉन का प्रभाव

अध्ययन में यह भी बताया गया कि कोविड-19 और क्रूप से पीड़ित ज्यादातर बच्चे लगभग दो साल की उम्र तक के हैं और इसमें 72 फीसदी लड़के थे।

हालांकि किसी बच्चे की इस समस्या के कारण मौत नहीं हुई लेकिन 72 बच्चों में से 9 बच्चों की हालत गंभीर होने पर उन्हें आईसीयू में भर्ती कराना पड़ा।

ओमिक्रॉन और क्रूप का संबंध

धकर्ताओं के मुताबिक, बच्चों में कोरोना के ओमिक्रॉन वेरिएंट और क्रूप दोनों के लक्षण मिले। इनमें से कुछ मामले इतने गंभीर थे कि उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इन बच्चों के इलाज में भी बदलाव किया गया। क्रूप के इलाज के लिए जो सामान्य दवाएं दी जाती है, बच्चों को उन दवाओं से अधिक खुराक देनी पड़ी। पाया गया कि 80 फीसदी बच्चों में क्रूप की समस्या ओमीक्रोन वेरिएंट के मामले फैलने के दौरान देखने को मिले। इस अध्ययन के पहले लेखक बोस्टन बाल चिकित्सालय और बोस्टन मेडिकल सेंटर के रयान ब्रूस्टर हैं। उन्होंने दावा किया कि जब ओमिक्रॉन वैरिएंट के अधिक मामले आने लगे, तभी क्रूप के मरीजों की संख्या भी बढ़ने लगी।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : सप्ताह काफी उठापटक वाला रह सकता है। पारिवारिक कार्यो से भागदौड़ अधिक रहेगी। परिवार में किसी को शारीरिक कष्ट, मानसिक पीड़ा का सामना करना पड़ेगा। जीवनसाथी के साथ भारी मतभेद का सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक स्थिति में जरूर पहले से सुधार आएगा। आजीविका के नए स्रोत प्राप्त होंगे। यात्राएं होंगी।

वृषभ : संबंधों को निभाने के प्रति सचेत रहना होगा। अपनों से ही धोखा, अलगाव जैसी स्थिति मिल सकती है। जीवनसाथी के साथ संबंध तनावपूर्ण रहेंगे। आजीविका के साधन प्राप्त तो रहेंगे लेकिन उनसे ज्यादा लाभ नहीं मिल सकेगा। नए स्रोत तलाशने पर ध्यान दें। नौकरीपेशा मानसिक रूप से प्रताड़ित रहेंगे।

मिथुन : पारिवारिक कार्यो पर समय और धन दोनों खर्च करना होगा। मेलजोल बढ़ेगा लेकिन इससे आप शारीरिक रूप से थकान भी अनुभव कर सकते हैं। आजीविका के साधनों में वृद्धि होगी। नौकरीपेशा को उन्नति, कारोबारियों को व्यापार में लाभ की स्थिति बनती दिख रही है।

कर्क : यह सप्ताह रिश्तों के लिहाज से ठीक नहीं कहा जा सकता। आपके अपने ही आपसे धोखा कर सकते हैं। जीवनसाथी से मतभेद बढ़ेगा। माता-पिता, भाई-बहनों के साथ संबंध खराब हो सकते हैं। अपनी वाणी और क्रोध पर नियंत्रण करके और संयमित व्यवहार करके बात संभाली जा सकती है। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। पुराने रोग दूर होंगे।

सिंह : पारिवारिक समागम, मेलजोल, मांगलिक प्रसंगों में शामिल होंगे। भाई-बहनों के साथ तालमेल अच्छा रहेगा। विशेष अवसरों का लाभ उठाने का प्रयास करें। किसी भी बात का अधिक तनाव लेना स्वयं के लिए हानिकारक हो सकता है। किसी भी बात को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत न करें। सहज रहें।

कन्या : सप्ताह तनावपूर्ण रहेगा। माता-पिता से मतभेद उभर सकते हैं। जीवनसाथी के साथ मनमुटाव बना रहेगा। नौकरीपेशा के लिए सप्ताह उत्तम है। आपके कार्य को सराहना मिलेगी। व्यापारी वर्ग लाभ की स्थिति में आएंगे। बड़े लोगों से संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। किसी विशेष पारिवारिक प्रसंग में शामिल होने का अवसर आएगा।

तुला: पुराने खराब हो चुके संबंधों को दोबारा जीवित करने का प्रयास करें। खो चुके मित्रों से बात करें, यदि वे रूठे हैं तो मनाने का प्रयास करें। परिवार में सहयोग और सुख प्राप्त रहेगा लेकिन जीवनसाथी के साथ थोड़ी अनबन रह सकती है। किसी परेशानी में हैं तो करीबी मित्रों, रिश्तेदारों से कहें। स्वास्थ्य नरम-गरम रह सकता है।

वृश्चिक : आर्थिक परेशानियों से निजात मिलेगी। कोई बड़ा कार्य पूर्ण हो जाने के कारण आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। सुख और सम्मान प्राप्त होगा। किसी करीबी मित्र से पूरा सहयोग और सुख प्राप्त होगा। मानसिक रूप से इस सप्ताह थोड़ी राहत अनुभव करेंगे। नया कार्य प्रारंभ कर सकते हैं। पुराने कार्यो को गति देने के भी प्रयास करें, सफल होंगे।

धनु : सप्ताह भागदौड़ भरा रहने के बावजूद सुखद रहेगा। अंत में आपको राहत अनुभव होगी। बड़े कार्य इस सप्ताह पूरे होने के योग हैं। लंबे समय से टलते आ रहे कार्य हो जाएंगे। आर्थिक संकटों से छुटकारा मिलेगा। संपत्ति खरीदने का सोच रहे हैं तो कर डालिए। घर-परिवार में नया वाहन आएगा।

मकर : जीवनसाथी के साथ अनबन रहेगी। प्रेम संबंधों में भी ईगो के कारण टकराहट आएगी। सप्ताह रिश्तों के लिहाज से ठीक नहीं है। किसी भी बात का अत्यधिक तनाव लेना खुद की परेशानी बढ़ाएगा। सहज और शांत रहें। कोई भी निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। संपत्ति, वाहन संबंधी कार्य इस सप्ताह टाल दें।

कुंभ : सप्ताह का प्रारंभ शुभ समाचार से होगा। अटके हुए कार्यो को गति मिलेगी। परिवार और मित्रों के साथ तालमेल अच्छा रहने से मानसिक शांति अनुभव करेंगे। स्वास्थ्य में भी पहले से सुधार आएगा। नौकरीपेशा को प्रमोशन के चांस मिलेंगे। व्यापारी वर्ग नए कार्य प्रारंभ कर सकते हैं या वर्तमान कार्य का विस्तार कर सकते हैं।

मीन : इस सप्ताह रिश्तों में सावधानी रखनी होगी। आपकी कोई बात अपने मित्र, प्रेमी, या जीवनसाथी को बुरी लग सकती है। वाणी को संयमित रखें और संबंधों पर ध्यान दें। नौकरीपेशा को कार्य की अधिकता रहेगी। व्यापारियों को हानि हो सकती है। नया कार्य इस सप्ताह प्रारंभ न करें। स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

यूक्रेन को head & shoulders कम्पनी से मदद की गुहार लगानी चाहिए !
कंपनी वाले........
सौ प्रतिशत तक रूसी भगाने की गारंटी देते हैं !

कर्मचारी- हेलो बॉस, मुझे आतंकवादी ने पकड़ लिया है, दोनों हाथ काट दिए, आंख फोड़ दी, किडनी निकाल ली...
बॉस- देख ले.... हो सके तो आजा, आज Audit है

मास्टर - भारत की सबसे खतरनाक नदी कौन सी है...?
पप्पू - भावना, इसमें सब बह जाते हैं...!!!
फिर पप्पू को नदी के रास्ते स्कूल से भागना पड़ा।

पंजाब में भगवंत मान की कैबिनेट के 10 मंत्री 19 मार्च को शपथ लेंगे

पंजाब में आम आदमी पार्टी की भगवंत मान सरकार का कैबिनेट विस्तार 19 मार्च को हो रहा है। चंडीगढ़ राजभवन में होने वाले इस समारोह में सुबह 11 बजे मान के 10 मंत्री शपथ ले सकते हैं। इनमें अधिकांश वही मंत्री हो सकते हैं जो विधायक रहते हुए चुनाव जीते हैं। इसके साथ ही दोपहर 12.30 बजे कैबिनेट की पहली बैठक भी होगी।

द कश्मीर फाइल्स के डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री को Y कैटेगरी की सुरक्षा

फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' के डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री को Y कैटेगरी की सुरक्षा दी है। इंटेलिजेंस ब्यूरो ने विवेक को खतरे की बात कही गई थी, जिसके बाद गृह मंत्रालय ने उन्हें सुरक्षा दी। वहीं, दूसरी तरफ उनकी फिल्म द कश्मीर फाइल्स कमाई के नए रिकॉर्ड कायम कर रही है। अनुमान के मुताबिक, जल्द ही यह फिल्म 100 करोड़ का आंकड़ा छू लेगी।

मॉडर्ना कंपनी ने कोरोना वैक्सीन के चौथे डोज के लिए मंजूरी मांगी

फार्मा कंपनी मॉडर्ना ने फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन से कोविड-19 वैक्सीन के चौथे शॉट के लिए बूस्टर डोज को मंजूरी देने की मांग की है। कुछ दिन पहले फार्मास्यूटिकल कंपनी फाइजर के भी बूस्टर डोज के लिए मंजूरी मांगी थी। मॉडर्ना ने यूएस एफडीए से वैक्सीन के चौथे डोज को मंजूरी की मांग की है।

भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद रो खन्ना को बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन में बड़ी जिम्मेदारी

भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद रो खन्ना को बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन में बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनका इमरजिंग बायोटेक्नोलॉजी के लिए नेशनल सिक्योरिटी कमीशन में में नामिनेशन किया गया है। 45 साल के रो खन्ना कैलिफोर्निया के एक जिले को रिप्रेसेंट करते हैं।

केरल में 26वीं इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का ऑनलाइन रिजर्वेशन शुरू

केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में 26वीं इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (IFFK) होने जा रहा है। फिल्म फेस्टिवल 18 से 25 मार्च तक चलेगी। ऑनलाइन रिजर्वेशन शुरू हो चुका है। चीफ गेस्ट ISIS अटैक सर्वाइवर और कुर्द डायरेक्टर लिसा चालान हैं। लिसा ISIS के आत्मघाती हमले में अपने पैर खो दिए थे। फिल्म फेस्टिवल में उनके डायरेक्शन में बनी पहली फिल्म 'द लैंग्वेज ऑफ द माउंटेंस' दिखाई जाएगी।

मलयालम दैनिक मातृभूमि शताब्दी समारोह का उद्घाटन करेंगे PM मोदी

केरल के प्रमुख मलयालम दैनिक अखबार मातृभूमि का शताब्दी समारोह आज से शुरू हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुबह 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उद्घाटन करेंगे। यह समारोह सालभर चलेगा। कार्यक्रम को केरल के CM पिनाराई विजयन भी वर्चुअल माध्यम से संबोधित करेंगे। PMO ने कहा कि मातृभूमि सामाजिक सुधारों तथा विकास संबंधी मुद्दों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ-साथ राष्ट्रीय हितों के मुद्दों को भी उजागर करता रहा है।

साउथ अफ्रीका के 11 खिलाड़ी हैं IPL टीमों के हिस्सा

IPLके 15वें सीजन के लिए साउथ अफ्रीका के 11 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। जिनमें 6 खिलाड़ी टेस्ट और 3 वनडे प्लेयर हैं। कागिसो रबाडा पंजाब किंग्स की टीम का हिस्सा है। लुंगी एन्गिडी दिल्ली कैपिटल्स से जुड़े हैं। मार्को येनसन सनराइजर्स हैदराबाद टीम का हिस्सा हैं। एडेन मार्करम को भी सनराइजर्स हैदराबाद ने खरीदा है। रासी वैन डर डूसेन को राजस्थान रॉयल्स ने खरीदा है। ड्वेन प्रिटोरियस चेन्नई सुपरकिंग्स का हिस्सा हैं। डेविड मिलर गुजरात लायंस की टीम में हैं। वहीं क्विंटन डिकॉक लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम में शामिल हैं।

चोट के कारण मार्क वुड टूर्नामेंट बाहर

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL)शुरू होने से पहले ही नई टीम लखनऊ जायंट्स के लिए बुरी खबर है कि उनके गेंदबाज मार्क वुड चोट की वजह से टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। दरअसल मार्कवुड अभी वेस्टइंडीज टूर पर नेशनल टीम के साथ हैं। एंटीगा में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में गेंदबाजी करते हुए चोटिल हो गए, उनके दाएं हाथ की कोहनी में सूजन आई गई है। चोट की वजह से वुड ने वेस्टइंडीज की पहली पारी में आगे गेंदबाजी भी नहीं की है। माना जा रहा है कि उनकी यही चोट जोफ्रा आर्चर की तरह है। जोफ्रा आर्चर को भी कोहनी में सूजन की शिकायत हुई थी। जिसके बाद कोहनी के दो ऑपरेशन हो चुके हैं। वह 2021 से ही क्रिकेट से दूर हैं।

ऑक्शन में लखनऊ ने 7.5 करोड़ में खरीदा था

मार्क वुड को IPLमेगा ऑक्शन में 7.5 करोड़ रुपये की रकम देकर लखनऊ जायंट्स ने खरीदा था। IPL के 15वें सीजन में 10 टीमें हिस्सा ले रही हैं। पहले से मौजूद 8 टीमों के अलावा लखनऊ जायंट्स और गुजरात लायंस पहली बार भाग ले रहे हैं। मार्क वुड ने आईपीएल में अब-तक सिर्फ एक मैच ही खेला है। साल 2018 में वुड सीएसके का हिस्सा थे।

सुनील जाखड़ के बयान से पंजाब में खलबली:कांग्रेस नेता ने पूर्व CM चन्नी पर दूसरी बार MeToo के गंभीर आरोप लगाए; बोले- सफेद चादर लेकर घूमना शर्मनाक

पंजाब में कांग्रेस की चुनावी हार के बाद पूर्व प्रदेश प्रधान सुनील जाखड़ के बयान से खलबली मच गई है। जाखड़ ने एक इंटरव्यू में कहा कि मैं कहना नहीं चाहता था, लेकिन गंभीर बात कर रहा हूं। पूर्व CM चरणजीत चन्नी के खिलाफ पहले IAS अफसर वाला MeToo का केस बना। अब एक महिला पत्रकार के साथ ऐसा हुआ। उन्होंने कहा कि मैं पूरी जिम्मेदारी से यह बात कह रहा हूं। जाखड़ ने कहा कि यह जो सफेद चादर लेकर घूम रहे हैं। यह बहुत शर्मनाक है। जाखड़ ने कहा कि महिला पत्रकार सच्चाई बताकर पंजाब की बच्चियों पर बहुत बड़ा उपकार करेंगी। मैं उनका नाम नहीं घसीटना चाहता, लेकिन चन्नी ने जो किया, वह पार्टी और समाज के लिए शर्म की बात है। हालांकि इस संबंध में CM चन्नी की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

मैं चन्नी को लीडर नहीं मानता

सुनील जाखड़ ने कहा कि कांग्रेस ने चरणजीत चन्नी को CM बना दिया था। उसके 4-5 दिन बाद मेरी मुलाकात हुई तो मुझे गवर्नमेंट में काम करने को कहा गया। मैंने कह दिया कि मैं चन्नी को लीडर नहीं मानता। मैं उसे लीडर के तौर पर स्वीकार नहीं करता। मैं पार्टी के साथ काम करता रहूंगा। जाखड़ ने कहा कि मैं चन्नी को अच्छी तरह से जानता था। वह अपने चाल-चलन और चरित्र समेत किसी बात पर खड़े नहीं रहते।

कई बार विवादों में रहे चन्नी

टॉस उछालकर पोस्टिंग : चरणजीत चन्नी जब तकनीकी शिक्षा मंत्री थे तो 3 साल पहले पॉलिटेक्निक इंस्टिट्यूट में भर्ती की गई थी। लेक्चरर के दो आवेदक एक ही जगह पर पोस्टिंग चाहते थे। उस वक्त चन्नी ने टॉस किया और जिसका टेल आया, उसे मन मर्जी वाली जगह पोस्टिंग मिल गई।

IAS अफसर को मैसेज : साल 2018 में चन्नी पर एक महिला IAS अफसर को आपत्तिजनक मैसेज भेजने का आरोप लगा। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने चन्नी को माफी मांगने को कहा। कैप्टन ने कहा था कि इसके बाद मामला खत्म हो गया है।

हालांकि पिछले साल मई में अचानक यह मामला फिर उठा। पंजाब महिला आयोग की अध्यक्ष मनीषा गुलाटी ने चेतावनी दी कि चन्नी पर कार्रवाई न हुई तो वे अनशन पर बैठ जाएंगी। हालांकि जब चन्नी CM बन गए तो वह इस मामले से बचने लगी। बाद में उन्होंने कांग्रेस छोड़ भाजपा जॉइन कर ली।

ग्रीन बेल्ट तोड़ सड़क बना दी : 2018 में चन्नी जब मंत्री बने तो ज्योतिषी की सलाह पर उन्होंने सरकारी घर का नक्शा बदल दिया। राजनीति में कामयाबी के लिए चन्नी ने चंडीगढ़ स्थित घर में एंट्री की दिशा पूर्व की तरफ कर दी। इसके लिए उन्होंने ग्रीन बेल्ट तुड़वाकर सड़क बनवा दी। हालांकि चंडीगढ़ प्रशासन ने फिर सड़क हटा ग्रीन बेल्ट बना दिया।

हाथी की सवारी : राजनीति में कामयाबी के लिए चन्नी ने खरड़ स्थित अपने घर में हाथी की सवारी की। तब यह बात सामने आई कि किसी ज्योतिषी ने उन्हें कहा कि अगर वह ऐसा करते हैं तो पंजाब के CM बन सकते हैं। हालांकि चन्नी के CM बनने के बाद खूब चर्चा हुई कि यह टोटका उनके काम आ गया।

पैचवर्क का बयान : चन्नी कुछ वक्त पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता भी रहे। उस वक्त अकाली-भाजपा सरकार थी। सुखबीर बादल डिप्टी सीएम थे। सुखबीर ने विधानसभा में चन्नी से पूछा कि वे 2002 से 2007 के बीच कैप्टन सरकार का एक विकास कार्य बताएं। इस पर चन्नी कह बैठे कि कैप्टन साहब ने पूरे पंजाब की सड़कों पर पैचवर्क कराएं हैं।

Phd एंट्रेंस पास नहीं कर पाए : चन्नी ने 2017 में इंडियन नेशनल कांग्रेस पर Phd के लिए एंट्रेंस दिया था। उस वक्त यह आरोप लगा कि चन्नी को फायदा मिल सके, इसके लिए पंजाब यूनिवर्सिटी ने S C / S T उम्मीदवारों के लिए नियमों में छूट दी। हालांकि वे एंट्रेंस पास नहीं कर सके थे।

जम्मू कश्मीर: पुलवामा में टेरर मॉड्यूल का भंडाफोड़, लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों के छह मददगार गिरफ्तार

पुलवामा में पुलिस ने टेरर मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े छह मददगारों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी रसद, आश्रय प्रदान करने और युवाओं को हाइब्रिड आतंकवादियों के रूप में कार्य करने के लिए बरगलाने में शामिल थे। इन मददगारों में लेल्हार काकापोरा के रहने वाला रऊफ अहमद लोन उर्फ अमजीद, पंपोर के अलोचीबाग का निवासी आकिब मकबूल भट, लारवे काकपोरा का निवासी जावेद अहमद डार, परिगाम का निवासी अर्शीद अहमद मीर, रमीज राजा और लारवे काकापोरा निवासी मोही-उद-दीन डार शामिल है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आतंकी सहयोगी दहशतगर्दों को रसद प्रदान करने, आश्रय देने, आतंक के लिए पैसों का प्रबंधन करने और आवाजाही की व्यवस्था करने के साथ-साथ युवाओं को हाइब्रिड आतंकवादियों के रूप में कार्य करने के लिए बरगलाने का काम करते थे।जांच दल को यह भी पता चला कि वे सभी सेदरगुंड काकापोरा के निवासी आतंकी कमांडर रियाज अहमद डार उर्फ खालिद उर्फ शीराज के साथ लगातार संपर्क में थे और उसके निर्देश पर जिले में आतंकवाद को बढ़ावा देने का काम कर रहे थे।

सुलह की कोशिश: गुलाम नबी आजाद ने सोनिया गांधी से मुलाकात, पार्टी में जारी तनाव पर हुई चर्चा

कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद शुक्रवार को पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात करने 10 जनपथ पहुंचे। माना जा रहा है कि इस बैठक में आजाद ने जी-23 समूह के विचारों को सोनिया गांधी के सामने विस्तार से रखा है। सोनिया से मुलाकात से पहले आजाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कर्ण सिंह के आवास पर पहुंचे और उन्हें होली की शुभकामनाएं दीं। इससे पहले सोनिया गांधी ने गुरुवार को आजाद से दो बार फोन पर बात की थी। उधर, वायनाड से कांग्रेस सांसद और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी बागी खेमे के भूपेंद्र सिंह हुड्डा से मुलाकात की थी। दोनों के बीच मुलाकात करीब 45 मिनट तक चली थी।

पांच राज्यों में हुए चुनाव में मिली करारी हार के बाद कांग्रेस पार्टी में कलह फिर से उजागर हो गई थी। इसके बाद से पार्टी जी-23 समूह एक बार फिर सक्रिय हो गया था। इस बागी गुट ने दो दिन में दो बैठकें बुलाईं।

गुलाम बनी आजाद के घर पर हुई इन बैठकों में कपिल सिब्बल, आनंद शर्मा, भूपेंद्र सिंह हुड्डा, शशि थरूर, एमए खान, संदीप दीक्षित, विवेक तन्खा, आनंद शर्मा, पृथ्वीराज चव्हाण, मणिशंकर अय्यर समेत कई बड़े नेता शामिल हुए थे।

इस बैठक के बाद कांग्रेस के जी-23 नेताओं का संयुक्त बयान जारी किया था।

इसमें कहा गया था कि भाजपा का विरोध करने के लिए कांग्रेस पार्टी को मजबूत करना जरूरी है। हम कांग्रेस पार्टी से मांग करते हैं कि 2024 के लिए एक विश्वसनीय विकल्प का मार्ग प्रशस्त किया जाए और इसके लिए एक मंच बनाया जाए। साथ ही अन्य दल जो हमारी विचारधारा से सहमत हों, उनसे बातचीत शुरू की जाए।

इससे पहले पार्टी के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने पिछले दिनों एक साक्षात्कार में कहा था कि गांधी परिवार को कांग्रेस का नेतृत्व छोड़ देना चाहिए और किसी अन्य नेता को मौका देना चाहिए।

इसके बाद गांधी परिवार के करीबी माने जाने वाले कुछ नेताओं ने सिब्बल के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

स्कूलों में फिर पढ़ाया जाएगा नैतिकता का पाठ, शिक्षा मंत्री बोले- हमने भी पढ़ा था

सरकार स्कूली बच्चों को नैतिकता का पाठ पढ़ाने की तैयारी कर रही है। कहा जा रहा है कि मोरल साइंस यानी नैतिक विज्ञान को पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग अभिभावकों की ओर से उठ रही है। हम बात कर रहे हैं कर्नाटक की। जहां हाल ही में हिजाब विवाद पर कर्नाटक हाई कोर्ट के फैसले के बाद स्कूल-कॉलेज पुन: खुले हैं। राज्य के शिक्षा मंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा है कि सूबे के स्कूलों में नैतिक विज्ञान की पढ़ाई शुरू कराने की संभावनाएं तलाशी जाएंगी।

मंत्री नागेश बोले- अभिभावकों ने बताई जरूरत

कर्नाटक के शिक्षा मंत्री बीसी नागेश ने कहा कि हमने स्कूलों में मोरल साइंस यानी नैतिक विज्ञान की पढ़ाई की थी। किन्हीं कारणों की वजह से सालों से इसकी पढ़ाई कराना छोड़ दिया गया है। उन्होंने कहा कि कई माता-पिता

और अभिभावक महसूस करते हैं कि इसे फिर से सिलेबस में शामिल किया जाना चाहिए और स्कूली स्तर से बच्चों को नैतिक विज्ञान का पाठ पढ़ाना चाहिए।

मुख्यमंत्री और विशेषज्ञों से करेंगे परामर्श

शिक्षा मंत्री ने कहा कि फिलहाल हमने इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचा है, लेकिन हम भविष्य में इसे शुरू कर सकते हैं। हालांकि, नैतिक विज्ञान का पाठ्यक्रम और विषय सामग्री आदि सब शैक्षणिक क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा तय की जाएगी। इससे पहले, हम अपने मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई से बात करने जा रहे हैं कि क्या हम नैतिक विज्ञान की शुरुआत कर सकते हैं या नहीं? मुख्यमंत्री से परामर्श करके हम इसे अगले शैक्षणिक वर्ष में पेश करना चाहते हैं।

भगवद्गीता केवल हिंदुओं के लिए नहीं है, यह सभी के लिए

मंत्री नागेश ने कहा कि विशेषज्ञों के सुझावों के आधार पर ही बेहतर सिलेबस बनाएंगे, जिसमें बच्चों पर जो सकारात्मक प्रभाव डालने वाली बातों और सीखों को शामिल किया जाएगा, फिर चाहे वह भगवद्गीता, रामायण और महाभारत या कुछ और ग्रंथ। उन्होंने कहा कि भगवद्गीता केवल हिंदुओं के लिए नहीं है, यह सभी के लिए है। विशेषज्ञों की सिफारिश हुई तो इस साल से नहीं बल्कि अगले साल से इसे जरूर पेश किया जाएगा। अंतिम तौर पर, सरकार को तय करना है कि नैतिक विज्ञान को शुरू करना है या नहीं।

हार पर कांग्रेस में रार: वीरप्पा मोइली ने जी-23 के नेताओं को दी नसीहत, बोले- दोबारा सत्ता में आना है तो रवैया बदलें

पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों में हार के बाद कांग्रेस में कलह मची हुई है। जी-23 के नेता बार-बार बैठक कर रहे हैं। वहीं, शुक्रवार को वरिष्ठ भाजपा नेता वीरप्पा मोईली ने भी बड़ा बयान दे दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बारहमासी पार्टी है। भाजपा और अन्य दल तो आते जाते रहते है। अगर दोबारा देश की सत्ता में लौटना है तो कांग्रेसियों को अपना रवैया बदलना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेसियों को चुनाव जीतने के लिए जीवन, समाज और हर चीज के प्रति अपना दृष्टिकोण रखना चाहिए। सिर्फ इसलिए कि हम सत्ता में नहीं हैं, कांग्रेस नेताओं या कार्यकर्ताओं को घबराना नहीं चाहिए। भाजपा और अन्य आएंगे और जाएंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ही ऐसी पार्टी है जो यहां रहेगी। इस दौरान उन्होंने पूर्व पीएम जवाहरलाल नेहरू के एक बयान का भी उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी कांग्रेस पार्टी के भीतर सुधार चाहती हैं लेकिन जी-23 गुट वरिष्ठ नेताओं को निशाना बना रहा है। भाजपा एक बारहमासी पार्टी नहीं हो सकती है और यह मोदी के बाद की राजनीति की उथल-पुथल को बर्दाश्त नहीं कर पाएगी। वहीं, इस बात की भी उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी गुलाम नबी आजाद और जी-23 समूह के अन्य वरिष्ठ नेताओं के बीच मुलाकात होगी। हालांकि बैठक की तारीख अभी तय नहीं हुई है। इससे पहले बुधवार को जी-23 के असंतुष्ट नेताओं ने गुलाम नबी आजाद के आवास पर बैठक बुलाई थी। बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया कि पार्टी के लिए एकमात्र रास्ता सामूहिक और समावेशी नेतृत्व और सभी स्तरों पर निर्णय लेने के मॉडल को अपनाना है। गौरतलब है कि गुलाम नबी आजाद, कपिल सिब्बल, शशि थरूर, आनंद शर्मा समेत कांग्रेस के जी-23 नेता जमीनी स्तर से लेकर कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) स्तर तक पार्टी और संगठनात्मक चुनावों में तत्काल सुधार की मांग करते रहे हैं।

पश्चिम बंगाल: मालदा में ट्रक की टक्कर से ई-रिक्शा पर सवार 15 लोग घायल, सभी बिहार के रहने वाले

पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में शुक्रवार को एक सड़क हादसे में एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि यहां एक ट्रक ने एक ई-रिक्शा को पीछे से टक्कर मार दी। इस घटना में ई-रिक्शा पर सवार 15 लोग घायल हो गए। घायलों में छह बच्चे भी शामिल हैं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि ई-रिक्शा के चालक और चार बच्चों की हालत गंभीर बनी हुई है। उनके मुताबिक, हादसा मालदा थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग 34 पर नारायणपुर मिशन रोड पर हुआ। बिहार के किशनगंज निवासी 14 लोग ई-रिक्शा पर सवार होकर पांडुआ स्थित दरगाह जा रहे थे। उन्होंने बताया कि इन लोगों ने मालदा टाउन रेलवे स्टेशन से आने-जाने के लिए 500 रुपये में ई-रिक्शा को किराए पर लिया था। हादसे में ई-रिक्शा चालक और 14 लोग घायल हो गये। घायलों को पहले एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें मालदा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

महिला वर्ल्ड कप में भारत Vs ऑस्ट्रेलिया:सेमीफाइनल की रेस में बने रहने के लिए इंडिया को जीत जरूरी, कंगारूओं ने नहीं गंवाया एक भी मैच

महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप में भारतीय टीम शनिवार को अपना पांचवां मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी। पिछले मैच में इंग्लैंड के खिलाफ मिली हार के बाद भारत के लिए ये मुकाबला बहुत अहम होने वाला है। मिताली एंड कंपनी को सेमीफाइनल की रेस में बरकरार रहने के लिए हर हाल में ये मैच जीतना होगा।

क्या मिलेगा सेमीफाइनल का टिकट

भारतीय के लिए ये टूर्नामेंट मिलाजुला रहा है। टीम ने 4 में से 2 मैच जीते, जबकि दो में हार का सामना करना पड़ा है। भारत पॉइंट्स टेबल में 4 अंकों के साथ चौथे पायदान पर है। सेमीफाइनल की रेस में खुद की दावेदारी को मजबूत करने के लिए टीम इंडिया के लिए जीत से बढ़कर कुछ नहीं है।

भारत ये मैच जीत जाता है, तो 6 अंकों के साथ पॉइंट्स टेबल में टॉप-4 बना रहेगा। वहीं, टीम अगर ये मैच हार जाती है, तो टीम को बचे हुए बाकी दोनों मुकाबले जीतने होंगे। ऑस्ट्रेलिया के बाद टीम इंडिया का सामना 22 मार्च को बांग्लादेश और 28 मार्च को साउथ अफ्रीका से होना है।

विजय रथ पर सवार है कंगारू

ऑस्ट्रेलिया की टीम अभी कर इस टूर्नामेंट में अजेय रही है। टीम ने 4 मैच खेले हैं और सभी में जीत दर्ज की है। AUS को रोकना टीम इंडिया के लिए बिल्कुल भी आसान नहीं होगा। हेड टु हेड मैचों में कंगारूओं का पलड़ा भारत के खिलाफ मजबूत नजर आता है। दोनों टीमों के बीच 49 वनडे खेले गए हैं, जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने 39 और भारत ने सिर्फ 10 जीते हैं।

वनडे वर्ल्ड कप में भी दोनों के बीच कुल 12 मैच खेले गए। इस दौरान AUS ने 9 और भारत ने केवल 3 में जीत दर्ज की। आखिरी बार 2017 के सेमीफाइनल में दोनों टीमों का आमना-सामना इस टूर्नामेंट में हुआ था, तब भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 36 रन से हराया था।

मिताली की फॉर्म चिंता का विषय

वर्ल्ड कप में भारतीय कप्तान मिताली राज का बल्ला अभी तक खामोश नजर आया है। 4 पारियों में उन्होंने 11.50 की औसत के केवल 46 रन बनाए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए मैच में 31 रन की पारी को छोड़ दिया जाए, तो बाकी तीन मैचों में उनका स्कोर 10 से भी कम रहा।

मिताली टीम की सबसे अहम खिलाड़ियों में से एक है और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनका रन बनाना टीम के लिए बहुत जरूरी है। AUS के खिलाफ उन्होंने 33 की औसत से 1055 रन बनाए हैं।

बैटिंग नहीं कर पाई अच्छा प्रदर्शन

भारतीय टीम मौजूदा टूर्नामेंट में एक यूनिट के तौर पर प्रदर्शन नहीं कर पाई है। मिताली की फॉर्म के अलावा दीप्ति शर्मा के बल्ले से भी रन नहीं आए हैं। स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत कौर की शानदार फॉर्म टीम के लिए अच्छा संकेत है। इन दोनों ने वेस्टइंडीज के खिलाफ शतक जमाए थे।

ऑस्ट्रेलिया की इन खिलाड़ियों से रहना होगा सावधान

टीम इंडिया को इस मैच में ऑलराउंडर एलिस पेरी और ओपनर रैचल हैन्स से सावधान रहना होगा। दोनों ने चार मैचों में AUS की टॉप क्लास परफॉर्मेंस किया है। पेरी तो पिछले दोनों मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच भी रहीं है। वहीं, हैन्स ने भी 92 की औसत से वर्ल्ड कप 2022 में सबसे ज्यादा 227 रन बनाए हैं।

सुबह 6:30 बजे शुरू होगा मुकाबला

यह मुकाबला भारतीय समयानुसार (IST) सुबह 6:30 बजे शुरू होगा। टॉस 6 बजे होगा। इस मुकाबले को स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क के चैनल्स पर अलग-अलग भाषाओं में कमेंट्री के साथ देख सकते हैं।

वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश को 4 रन से हराया:विमेंस वर्ल्ड कप में 140 रन के छोटे स्कोर भी जीती वेस्टइंडीज, फ्लॉप रहीं बांग्लादेश की बैटर्स

विमेंस वर्ल्ड कप में शुक्रवार को खेले गए 17वें मैच में वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश को 4 रनों से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश को 140 रनों का आसान सा टारगेट दिया था। इसके बावजूद बांग्लादेश मैच नहीं जीत पाई। बांग्लादेश को आखिरी ओवर में जीत के लिए 8 रन चाहिए थे, लेकिन स्टेफानी टेलर ने अपनी तीसरी गेंद पर फरीहा तृष्णा को बोल्ड कर टीम को जीत दिला दी। बांग्लादेश की पूरी टीम 136 रनों पर ही सिमट गई। पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की ओर से सबसे ज्यादा 53 उन शीमेन कैम्पबेल ने बनाए। उनके अलावा हेली मैथ्यूज ने 18 और डिएंड्रा डॉटिन ने 17 बनाए। वहीं, बांग्लादेश की ओर से सलमा खातून और

नाहिदा अख्तर ने 2-2 विकेट चटकाए। रुमाना अहमद, ऋतु मोनी और जहानारा आलम के खाते में 1-1 विकेट आया। बांग्लादेश की बल्लेबाजी फ्लॉप 140 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेशी टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। विकेटकीपर शमीमा सुल्ताना शून्य पर आउट हो गई। शारमीन अख्तर और फरगाना हक ने साझेदारी निभाने की कोशिश तो की, लेकिन हेली मैथ्यूज ने उन्हें भी निपटा दिया। कप्तान निगार सुल्ताना ने 77 गेंदों तक क्रीज पर वक्त बिताया, लेकिन वो भी हेली मैथ्यूज का शिकार बन गई। फरगाना हक भी केवल 23 रन ही बना सकीं। बांग्लादेश के 5 विकेट 60 रनों पर ही गिर गए थे। सलमा खातून ने 40 गेंदों में 23 रन बनाए। वहीं, नाहिदा अख्तर अंत तक क्रीज पर डटी रहीं, लेकिन उनके नाबाद 25 रन टीम को जीत नहीं दिला सके। हेली मैथ्यूज रहीं जीत की नायिका

वेस्टइंडीज की जीत की नायिका हेली मैथ्यूज रहीं जिन्होंने 10 ओवर में महज 15 रन देकर 4 विकेट लिए। ये उनके करियर का बेस्ट प्रदर्शन है।

हरभजन सिंह को राज्यसभा भेज सकती है आप:स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की कमान सौंपने की भी तैयारी, 3 महीने पहले सिद्धू के साथ फोटो वायरल हुई थी

पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं। कहा जा रहा है कि पंजाब की भगवंत मान सरकार भज्जी को कोई बड़ी जिम्मेदारी दे सकती है। सचिवालय के गलियारों और पार्टी के मुख्यालय से जो बातें बाहर निकल कर आ रही हैं, उनके अनुसार भज्जी को एक नहीं बल्कि दो-दो जिम्मेदारी सौंपी जा रही है। सूची में नाम सबसे ऊपर होने का मतलब सीधा-सीधा है कि सरकार की प्राथमिकता में हरभजन सिंह सबसे ऊपर हैं। पता चला है कि भज्जी को पंजाब में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की जिम्मेदारी देने के साथ-साथ राज्यसभा में भी भेजा सकता है। यह भी पता चला है कि आम आदमी पार्टी खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले खिलाड़ियों को राज्यसभा में भेज रही है। इसके लिए जो सूची तैयार की गई है, उसमें हरभजन सिंह का नाम सबसे ऊपर है। हालांकि अभी तक इसकी पार्टी की तरफ से या फिर सरकार की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। सिद्धू के साथ वायरल हुई थी फोटोभज्जी ने जब क्रिकेट से संन्यास लिया था, तब उनकी फोटो नवजोत सिंह सिद्धू के साथ वायरल हुई थी। उनके कांग्रेस में जाने की अफवाहें फैली थीं, लेकिन उन्हें नकारते हुए कहा था कि फिलहाल वह राजनीति में नहीं जा रहे हैं। लेकिन उन्होंने यह भी कहा था कि खेल के क्षेत्र में पिछड़ रहे पंजाब को दोबारा फिर से उसी पुराने स्वरूप में लाने के लिए वह भविष्य में राजनीति में आने के बारे में सोच सकते हैं। राजनीति में आने का विकल्प उनके समक्ष खुला रहेगा। 3 महीने पहले लिया था संन्यास तीन महीने पहले हरभजन सिंह ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था।

बांग्लादेश में इस्कॉन मंदिर पर हमला:200 लोगों ने मंदिर में तोड़फोड़ और लूटपाट की; इस्कॉन प्रमुख बोले- चुप क्यों है संयुक्त राष्ट्र?

बांग्लादेश में कट्टरपंथियों ने एक बार फिर हिंदू मंदिर को निशाना बयाना है। गुरुवार शाम ढाका के इस्कॉन राधाकांता मंदिर पर 200 लोगों की भीड़ ने हमला कर तोड़फोड़ और लूटपाट की घटना

को अंजाम दिया। इस हमले में तीन लोगों के घायल होने की खबर है। हमलावरों की भीड़ की अगुआई हाजी शफीउल्लाह कर रहा था।

इस्कॉन प्रमुख ने UN से पूछा-अब चुप क्यों हो?

इस्कॉन इंडिया के वाइस प्रेसीडेंट राधारमण दास ने ट्विटर पर लिखा कि डोल यात्रा और होली समारोह की पूर्व संध्या पर यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। उन्होंने लिखा, "हमें आश्चर्य है कि संयुक्त राष्ट्र हजारों असहाय बांग्लादेशी और पाकिस्तानी अल्पसंख्यकों की पीड़ा पर चुप्पी साधे हुए है। इतने सारे हिंदू अल्पसंख्यकों ने अपनी जान, संपत्ति खो दी है, लेकिन अफसोस है कि संयुक्त राष्ट्र चुप है।

द कश्मीर फाइल्स ने हिन्दुओं को जगाया है, फिर से मत सोना

राधारमण दास ने लिखा कि कुछ दिन पहले संयुक्त राष्ट्र ने इस्लामोफोबिया से निपटने के लिए 15 मार्च को अंतरराष्ट्रीय दिवस के रूप में घोषित करने का प्रस्ताव पारित किया। आश्चर्य है कि वही संयुक्त राष्ट्र हजारों असहाय बांग्लादेशी और पाकिस्तानी अल्पसंख्यकों की पीड़ा के प्रति मौन है। उन्होंने ये भी लिखा कि द कश्मीर फाइल्स ने हिन्दुओं को जगाया है, फिर से मत सोना।

शिवसेना ने बताया शर्मनाक

शिवसेना की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक और पूजा स्थलों के प्रति यह बढ़ती असहिष्णुता को शर्मनाक बताया है। उन्होंने भारतीय विदेश मंत्रालय से इस मुद्दे को बांग्लादेश के साथ मजबूती के साथ उठाने की अपील की है। पिछले साल भी दुर्गा पूजा के दौरान चांदपुर जिले में भीड़ ने हिंदू मंदिर पर हमला कर दिया था। इस दौरान 3 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद बांग्लादेश हिंदू यूनिटी काउंसिल ने प्रधानमंत्री शेख हसीना से हिंदुओं को सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की थी।

बांग्लादेश में पहले भी हो चुके हैं हिंदू मंदिरों पर हमले

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमले का पुराना इतिहास है। भारत में बाबरी मस्जिद विध्वंस से पहले ही 29 अक्टूबर 1990 को बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी राजनीतिक संगठन ने बाबरी मस्जिद को गिराए जाने की अफवाह फैला दी थी जिसके चलते 30 अक्टूबर को हिंसा भड़क गई थी, जो 2 नवंबर 1990 तक जारी रही थी। इस हिंसा में कई हिंदू मारे गए थे।

इमरान सरकार का गिरना तय-सहयोगी दल ने कहा- PM खुद जाकर सांसदों को मनाएं, ऐसा नहीं हुआ तो सरकार बचाना नामुमकिन

इमरान खान सरकार के लिए बुरा वक्त शुरू हो चुका है और वो चंद दिनों की मेहमान है। यह दावा सरकार में शामिल पाकिस्तान मुस्लिम लीग- कायद (PML-Q) के चीफ चौधरी परवेज इलाही ने किया है। इलाही ने कहा- मैं मानता हूं कि यह सरकार 100% मुश्किल में है और अब इसे बचाना बहुत मुश्किल है। अगर प्रधानमंत्री खुद जाकर अपने सांसदों को मना लेते हैं तो शायद सरकार कुछ दिन और चल जाए, वरना इसका गिरना तय है। पाकिस्तान में विपक्ष इमरान सरकार के खिलाफ नो कॉन्फिडेंस मोशन ला चुका है। इस पर 28 मार्च को वोटिंग होनी है। तमाम मीडिया में इस तरह की खबरें हैं कि इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (PTI) के करीब 18 से 20 सांसद अपनी ही सरकार के खिलाफ वोटिंग करने वाले हैं। क्या कहा इलाही ने चौधरी परवेज इलाही को पाकिस्तान के सबसे बड़े नेताओं में से एक माना जाता है। वो पंजाब प्रांत से आते हैं और उनकी पार्टी के पांच सांसद इस वक्त इमरान सरकार को समर्थन दे रहे हैं। पंजाब प्रांत में इस वक्त इमरान की पार्टी की सरकार है और यहां भी इलाही के कुछ विधायक सरकार को समर्थन दे रहे हैं। मीडिया में खबरें हैं कि इमरान के साथ ही पंजाब के मुख्यमंत्री उस्मान बुजदार की कुर्सी भी जाना तय है।

परवेज इलाही ने इस तरफ इशारा भी कर दिया है। उन्होंने कहा- इमरान को अब बाहर निकलकर अपने सहयोगी दलों के पास जाना होगा। अब घमंड और बदजुबानी या फिर डरा-धमकाकर काम नहीं चलेगा। उन्हें अपने सहयोगियों को मनाना होगा। अगर ये नहीं हुआ तो सरकार को कोई नहीं बचा पाएगा।

इमरान से नाराज हैं उनके ही सांसद

परवेज ने वही बात कही जो कई दिन से मीडिया में आ रही हैं। उन्होंने कहा- अब यह कोई छिपाने वाली बात नहीं है कि सरकार कैसे चलेगी। इस बात में कोई दो राय नहीं कि इमरान की खुद की पार्टी के ढेर सारे सांसद नाराज हैं और ये भी 28 मार्च को सरकार के खिलाफ वोटिंग करेंगे। खान जब अपनी ही पार्टी को नहीं संभाल पा रहे तो सहयोगियों को कैसे संभालेंगे। आज जब सरकार पर संकट आया है तो खान कई तरह की बातें कर रहे हैं और सांसदों को लुभाने के लिए तमाम वादे कर रहे हैं। सवाल यह है कि चार साल से वो क्या कर रहे थे। तब क्यों उन्हें सहयोगियों को ख्याल नहीं आया।

कहां फंसेंगे खान

'द डॉन' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इमरान सरकार के पास फिलहाल 179 सांसदों का समर्थन है। बहुमत के लिए 172 सांसदों की जरूरत होती है। सहयोगी दलों के 7 सांसद इस सरकार को समर्थन दे रहे हैं। खबरों के मुताबिक, 18 से 20 सांसद ऐसे हैं जो विपक्ष के साथ जाने को तैयार बैठे हैं, क्योंकि उन्हें इमरान के साथ भविष्य नजर नहीं आता। अगर ऐसा होता है तो विपक्ष की कुल संख्या 200 के करीब हो जाएगी और सरकार के पास 160 से भी कम सांसद बचेंगे। ऐसे में सरकार का गिरना तय है।

पुतिन के 'झूठ' का खूबसूरती से बचाव करने वाली लड़की:यूक्रेन हमलों पर मारिया का तर्क-हम शहरों पर नहीं बरसा रहे बम, नागरिक नहीं मरे

यूक्रेन पर हमले के बाद पूरी दुनिया में रूस की निंदा हो रही है। रूस को एक हमलावर देश के रूप में देखा जा रहा है। ऐसे में रूस ने 'खूबसूरती' से काम लेने का फैसला किया है। इस पूरे अभियान की मुखिया हैं रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा। युद्ध के बीच मारिया मजबूती से रूस का पक्ष रखती हैं। पुतिन के हर फैसले का बचाव करती हैं। उनका मानना है कि रूसी हमले में यूक्रेन के आम लोगों को कोई नुकसान नहीं हो रहा है। अपने तर्कों से वो यूक्रेन पर रूस के हमले को भी जायज ठहराने की कोशिश करती हैं। पिछले दिनों मारियुपोल पर हुए रूसी हमले में आम नागरिकों की मौत से जुड़ा सवाल पूछने पर उन्होंने मीडिया पर ही सवाल कर दिए। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन बार-बार रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के लिए 'हत्यारा' और इस हमले के लिए 'वॉर क्राइम' शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं। मारिया ने इसे 'इनफॉर्मेशन टेररिज्म बताया। उनका कहना था कि रूसी सेना केवल यूक्रेन के सैन्य बलों को ही निशाना बना रही है। आम लोगों की मौत की खबरों को उन्होंने पश्चिमी देशों का प्रोपगैंडा करार दिया। पुतिन की मजबूती बनीं महिलाएं माना जा रहा है कि खुद को चारों तरफ से घिरता देख रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने अपने बचाव के लिए महिलाओं को आगे कर दिया है।

युद्ध से संबंधित ज्यादातर प्रेस कॉन्फ्रेंस अब महिलाएं करती हैं। जबकि युद्ध के पहले ये काम अमूमन पुरुष अधिकारी ही किया करते थे। पश्चिमी मीडिया का मानना है कि इसके पीछे पुतिन का दिमाग है और वो झूठ को 'खूबसूरती' से छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि रूस इन आरोपों से इनकार करता रहा है। मारिया जखारोवा रूस की इस 'खूबसूकरत नीति' का सबसे प्रमुख चेहरा हैं। उनके प्रेस कॉन्फ्रेंस को लाखों लोग देखते हैं। सोशल मीडिया पर भी उनके लाखों फॉलोअर्स हैं। राजनयिक थे पिता, देश संभालने का सपना देखा

मारिया जखारोवा का जन्म 1975 में तत्कालीन सोवियत संघ के मॉस्को में हुआ था। उनके पिता सोवियत संघ के एक सीनियर डिप्लोमेट थे। मारिया के बचपन के वक्त उनकी पोस्टिंग चीन में थी। मारिया भी उनके साथ चीन में रहती थीं। बचपन में ही उन्होंने डिप्लोमेसी की बारीकियों को देखना शुरू कर दिया। वो चीनी भाषा की भी जानकार हो गईं। चीन में रहते हुए ही उन्होंने अपने पिता की तरह राजनयिक बनकर देश का प्रतिनिधित्व करने की ठानी थी।

दंगल टीवी ने बीएआरसी चार्ट पर मारी लंबी छलांग; 9वें सप्ताह में टॉप 3 में जगह बनाई

दर्शकों के लिए रिलेट करने वाली कहानियां पेश करना और अपनी जड़ों पर खरे उतरना दंगल टीवी के लिए काफी फायदेमंद सिद्ध हो रहा है।

यह चैनल BARC (ब्रॉडकास्ट ऑडिएंस रिसर्च काउंसिल) की सीढ़ी पे तेजी से चढ़ता जा रहा है। 7वें सप्ताह में, दंगल टीवी ने अपने सभी 5 प्राइम टाइम शोज़ को सभी जीईसी (जेनरल एंटरटेनमेंट चैनल) की लिस्ट में टॉप 5 स्थान पर आते देखा, वहीं 8वें हफ्ते में चैनल शीर्ष 10 सबसे ज्यादा देखे जाने वाले जीईसी (पे और एफटीए) सूची में खुद चौथे स्थान पर पहुंच गया था।

ऊंचाई पर पहुंचने की अपनी यात्रा में मजबूती दिखाते हुए 9वें सप्ताह में दंगल टीवी हिंदी जीईसी में नंबर 3 स्थान पर पहुंच गया है। दंगल टीवी के मैनेजिंग डायरेक्टर मनीष सिंघल कहते हैं, "हमारा पूरा फोकस लोगों के दिलों में जगह पाने और उनके दैनिक जीवन का हिस्सा बनने पर रहा है। हमने एक ऑर्गेनिक सफर को चुना और अपने कंटेंट व दृष्टिकोण के प्रति सच्चे रहने का फैसला किया और अनुमान लगाया कि यह हमारे पक्ष में काम करेगा।

हमने निश्चित रूप से एक मजबूत समुदाय पाया है जो कंटेंट की पेशकश पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दे रहा है और इसके साथ भी जुड़ रहा है! प्रतिस्पर्धी नंबर गेम में स्थिर रहने और संख्या में लगातार वृद्धि दिखाने की वजह से मुझे गर्व और उपलब्धि का एहसास होता है।"आपको बता दें कि दंगल टीवी एकमात्र ऐसा एफटीए चैनल है जिसके पास एफटीए के क्षेत्र में सबसे अधिक ओरिजिनल कंटेंट हैं।

चैनल के प्राइम टाइम शोज़ रक्षाबंधन रसाल अपने भाई की ढाल, नथ ज़ेवर या जंजीर, मन सुंदर, सिंदूर की कीमत और रंग जाऊं तेरे रंग में दर्शकों के फेवरेट सीरियल्स बन गए हैं। इन शोज़ के प्रमुख कलाकारों की फैन फॉलोइंग भी काफी है। दंगल टीवी के आने वाले शोज़ बृज के गोपाल, जो एक सोशल माइथोलॉजिकल शो है वह मास अपील रखता है और "शुभ शगुन" हैं, जो दर्शकों को पसन्द आने वाला है।

आईएडब्ल्यूए एनजीओ ने सबसे लंबे कॉन्क्लेव के साथ एक वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया, 20 देशों की 200 महिलाओं ने हिस्सा लिया

आईएडब्ल्यूए एनजीओ ने 8 मार्च 2022 को यूट्यूब पर सबसे लंबे कॉन्क्लेव के साथ एक विश्व रिकॉर्ड बनाकर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कोमनाया, जहां 20 देशों की 200 महिलाओं ने इस ऑनलाइन कॉन्क्लेव में भाग लिया।डॉ दलजीत कौर उस शाम की क्यूरेटर और मेजबान थीं, जो एक अभिनेत्री, एक सोशल एक्टिविस्ट और एनजीओ आईएडब्ल्यूए की अध्यक्ष हैं। वह देश के विभिन्न हिस्सों में साल भर सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन करती रहती हैं, आज उनके पास 10,000 महिलाओं का एक ग्रुप है जो उनके साथ काम करती हैं। विभिन्न क्षेत्रों की महिलाओं को समाज में उनके योगदान और सोशल मीडिया के माध्यम से स्तन और गर्भाशय के कैंसर के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए सम्मानित किया जाता है। जैसा कि आज दुनिया भर की काफी महिलाएं स्तन और गर्भाशय के कैंसर से पीड़ित हैं और समय पर उनका इलाज नहीं हो पा रहा है। एनजीओ आईएडब्ल्यूए इस समस्या पर दुनिया भर में सात साल से काम कर रही है।प्रख्यात डॉक्टर्स ने इन बीमारियों के लक्षणों को साझा किया और इस बीमारी से बचाव का तरीका बताया। "परहेज इलाज से बेहतर है।" इस दर्द से गुजरे कैंसर योद्धाओं ने अपने अनुभव के बारे में भी बताया कि जीवन के इस चरण को उन्होंने कैसे गुजारा।नारी समाज के लिए ईश्वर की ओर से सबसे धन्य उपहार है। आज की महिलाएं समाज में बहुत उच्च स्तर तक पहुंच गई हैं। लेकिन फिर भी उन्हें पहचान की कमी है। समाज अभी भी किसी भी कंपनी या देश का नेतृत्व करने के लिए एक महिला पर भरोसा नहीं कर सकता है। हालांकि वह भगवान का सबसे जिम्मेदार उपहार है। वह जीवन बनाती है, बेटी, बहन, मां, पत्नी के रूप में पैदा होने के समय से लेकर औरत बलिदान का प्रतीक होती है .. एक भावुक व्यक्तित्व के साथ अपने घर, परिवार, बच्चों और अपने सपनों को बहुत सारे दृढ़ संकल्प और संघर्ष के साथ मैनेज करती है। वह सुनिश्चित करती है कि उसके परिवार में हर किसी को उसकी जरूरत की हर चीज मिले।आईएडब्ल्यूए एनजीओ ने देश के विभिन्न हिस्सों के सिंगर्स और डांसर्स के साथ 8 मार्च 2022 को सुबह 11 बजे से रात 8 बजे तक महिला दिवस का जश्न मनाया। उस शाम के मुख्य अतिथि अनूप जलोटा जी, विशिष्ट अतिथि थे न्यू यॉर्क से महामहिम मधुकृष्ण जी विशेष अतिथि जम्मू से डॉ भूपिंदर जी, हवाई से अर्मी हार्पर अपने बेटे के साथ संघर्ष कर रहे हैं जो कैंसर से लड़ रहे हैं, ऑस्ट्रेलिया से वनिता, जापान से असाही. मॉरीशस, मलेशिया, लंदन, दुबई, बहरीन, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका और भारत के लगभग सभी राज्यों के प्रतिभागियों ने इसमे भाग लिया। सतिन्द्र मल्होत्रा, जया दास, डॉ सनिपिना जयलक्ष्मी राव, ममता तिवारी, रश्मि राय, मनीषा महाकालकर, डॉ रितेश सुनहारे, स्तुति सक्सेना सिंह, कुसुमिता, चारण्य गुरुसत्य, चिंतन चौधरी आदि का नाम उल्लेखनीय है।आईएडब्ल्यूए एनजीओ महिला सशक्तिकरण के लिए काम करती है, कौशल विकास कार्यक्रम और शिक्षा प्रदान कराती है, व समाज के विभिन्न मुद्दों पर जागरूकता पैदा करती है।

वनवास से लौटे 'बच्चन पांडे' का होली पर लिटमेस टेस्ट, अक्षय कुमार के कंधे पर टिकी पूरी जिम्मेदारी

चुलबुल पांडे का कुंभ के मेले में बिछड़ा कोई भाई होता तो कैसा होता, जवाब है, बच्चन पांडे! वैसे अगर आपको यशराज फिल्म्स की एक याद न रखने लायक फिल्म 'टशन' याद रह गई हो तो इस फिल्म में अक्षय कुमार का नाम बच्चन पांडे ही था। इस बार अंग्रेजी की वर्तनी में एक एक्स्ट्रा एच और जुड़ गया है, शायद कॉपीराइट का कुछ मामला अटक गया हो। इस तरह से देखें तो बच्चन पांडे का 14 वर्ष का वनवास खत्म हो रहा है। फिल्म 'टशन' साल 2008 में आई थी। स्टाइल हीरो जैसा। बोली भोजपुरी जैसी और गाने पंजाबी जैसे। कोई आधा दर्जन लोग मिलकर फिल्म 'बच्चन पांडे' लिख पाए हैं। नाम को लेकर हो सकता है ज्योतिषियों में राय ली गई हो लेकिन फिल्म की शूटिंग के पहले दिन अक्षय के बाएं हाथ में कलावा बांधने का जो अपशकुन हुआ, उसका असर फिल्म की रिलीज तक तारी है। बीते हफ्ते रिलीज हुई विवेक अग्निहोत्री की फिल्म बताते हैं हफ्ते भर में 650 स्क्रीन्स से निकलकर देश भर के 4000 स्क्रीन्स में छा गई। 14 करोड रुपये में बनी 'कश्मीर फाइल्स' सौ करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर गई है। इधर कोई 180 करोड़ रुपये की लागत वाली फिल्म 'बच्चन पांडे' का पहले दिन का कलेक्शन 14 करोड़ हो जाए तो लोग प्रसाद चढ़ाने को तैयार बैठे हैं। अक्षय कुमार अपने करियर के उस कालखंड से गुजर रहे हैं जहां उनकी वही फिल्में अब सिनेमाघरों में आएंगी जिनके चलने की उम्मीद खुद अक्षय कुमार को होगी। नहीं तो 'लक्ष्मी' और 'अतरंगी रे' जैसी फिल्मों का सौदा वह ओटीटी पर कर लेने की ही सलाह अपने निर्माताओं को देते हैं। त्योहारों और राष्ट्रीय पर्वों पर उनकी फिल्में बेहतरीन कारोबार करती हैं, लेकिन ये होली उनके लिए उतनी रंगीन होती दिख नहीं रही। किसी काल्पनिक से पूर्वी उत्तर प्रदेश की पृष्ठभूमि में बनी फिल्म 'बच्चन पांडे' फिल्ममेकिंग की उस श्रेणी में फिट होती है जिसमें देश, काल, परिस्थिति का कोई खाका निर्देशक के दिमाग में नहीं होता। वह बस कुछ नाम उठाता है, कहानी गढ़ता है और उसे एक नकली हकीकत के करीब रखने की कोशिश में दर्शकों को घुमाते रहने की कोशिश करता है। सब 'ठग्स ऑफ हिंदोस्तान' होना चाहते हैं। निर्देशक फरहाद सामजी से इससे ज्यादा की उम्मीद हिंदी सिनेमा के दर्शक करते भी नहीं हैं। वह 'हाउसफुल' फ्रेंचाइजी की दो फिल्में और उससे पहले 'एंटरटेनमेंट' बना चुके हैं।

कॉमेडियन सुनील पाल के हाथों निर्मात्री प्रीति अभिषेक झा की वेब सीरीज रिस्की इश्क का मुहूर्त

मशहूर कॉमेडियन और चीफ गेस्ट सुनील पाल के हाथों वेब सीरीज रिस्की इश्क का भव्य मुहूर्त मुम्बई के व्यंजन हॉल में किया गया। प्रोड्यूसर प्रीति अभिषेक झा की यह वेब सीरीज ओटीटी प्लेटफार्म सिने बॉक्स प्राइम ओरिजनल पर रिलीज होगी। इस थ्रिलर वेब सीरीज रिस्की इश्क में ऐक्ट्रेस रूबी परिहार और एक्टर सुनील कुमार एकाथरा नजर आएंगे। फ़िल्म के डायरेक्टर नीरज आर यादव हैं। इस मुहूर्त के अवसर पर अतिथियों में सुनील पाल, साहिल पटेल, हीतल पुनेवाला, सोनू मिश्रा और कुलदीप सिंह मौजूद थे। इस फिल्म से जुड़े सभी कलाकार उपस्थित थे। आरोही फ़िल्म क्रिएशन के बैनर तले बन रही वेब सीरीज रिस्की इश्क के लेखक तौसीफ आलम, सिप्टेन राजा हैं। इसके सिनेमेटोग्राफर अभिमन्यु झा हैं। सुनील पाल ने यहां क्लेप देने के बाद मीडिया को बताया कि मैं इस वेब सीरीज की निर्मात्री प्रीति अभिषेक झा को बहुत बधाई देता हूं। आज के दौर में वेब सीरीज दर्शकों का मनपसंद मनोरंजन का साधन बन चुका है ऐसे में प्रीति जी एक महिला होते हुए भी प्रोड्यूसर के रूप में आगे आई हैं, उनके हौसले को सलाम। अभिनेता सुनील कुमार ने बताया कि इसी महीने की 21 तारीख से मुम्बइ में हम इस वेब सीरीज को शूट करेंगे और मार्च के अंत तक रिलीज की प्लानिंग है। यह एक कपल की कहानी है। वाईफ का अफेयर कहीं और होता है। जब पति को यह पता चलता है तो कहानी में मोड़ आता है। कैसे पत्नी अपने ही पति को मारने का षड्यंत्र रचती है, यह देखना काफी रोमांचक होगा।सुनील पाल ने कहा कि प्रोड्यूसर प्रीति अभिषेक झा ने एक बड़ी अच्छी शुरुआत की है। वेब सीरीज का टाइटल काफी आकर्षक है और इसका कांसेप्ट भी रोमांचक है। दर्शक अवश्य पसन्द करेंगे।

करोड़ के क्लब में होगी 'द कश्मीर फाइल्स' की एंट्री, क्या बच्चन पांडे से होगी परेशानी

विवेक अग्निहोत्री की दिल दहला देने वाली फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' हाल के समय की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक बनने के करीब पहुंच रही है। सिनेमाघरों में आलिया भट्ट की गंगूबाई काठियावाड़ी जैसी बड़ी रिलीज की उपस्थिति के बावजूद, अनुपम खेर-मिथुन चक्रवर्ती अभिनीत फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सारे रिकॉर्ड तोड़ रही है। सिनेमाघरों में एक हफ्ता पूरा करने से पहले ही फिल्म 100 करोड़ रुपये के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को पार करने के लिए पूरी तरह तैयार है। अभी तक फिल्म ने कुल 98.30 करोड़ रुपये की कमाई की है। कितना रहा सातवे दिन का कलेक्शन द कश्मीर फाइल्स ने छठे दिन दुनिया भर में बॉक्स ऑफिस पर 79.25 करोड़ रुपये कमाए। वहीं सातवें दिन, फिल्म ने 19.05 करोड़ रुपये की कमाई की है, जो पिछले दिन की तुलना में 5.83 फीसदी अधिक है। कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन अब 98.30 करोड़ रुपये हो गया है। विवेक अग्निहोत्री की फिल्म का दूसरे हफ्ते का कलेक्शन इस हफ्ते फिल्म की कमाई से ज्यादा रहने की उम्मीद है। फिल्म आज 100 करोड़ रुपये के क्लब में प्रवेश करेगी। सभी की निगाहें अब होली की छुट्टी और रिलीज के बाद से दूसरे वीकेंड पर टिकी हैं।

सुनील शेट्टी, ने अमीन पठान द्वारा प्रवर्तित द फ्रेंडशिप कप यूएई 2022 में बॉलीवुड किंग्स की अगुवाई की

"शारजाह 90 के दशक के दौरान क्रिकेट की दुनिया में गौरव के शीर्ष पर होने के साथ क्रिकेट का मक्का है। इस टूर्नामेंट के साथ, क्रिकेट प्रशंसकों ने 90 के दशक की अपनी स्मृति को पुनर्जीवित किया जब क्रिकेट को यूएई में पेश किया जा रहा था और यहां अधिकतम एकदिवसीय मैच आयोजित किए गए थे। हम शारजाह में दर्शकों द्वारा क्रिकेट जगत के महापुरूषों पर बरसाए गए प्यार से अभिभूत हैं, "अमीन पठान ने हाल ही में आयोजित तीन दिवसीय स्टार-स्टडेड फ्रेंडशिप कप - यूएई 2022 के अध्यक्ष की घोषणा की, जिसमें क्रिकेट के दिग्गज शामिल थे। पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन, बॉलीवुड स्टार सुनील शेट्टी, पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेट सनसनी इमरान नजीर और श्रीलंकाई स्टार क्रिकेटर अजंता मेंडिस सहित दुनिया। बॉलीवुड इलेवन टीम में सुनील शेट्टी, सोहेल खान, आफताब शिवदासानी, साकिब सलीम, शरद केलकर, सलिल अंकोला, अपूर्व लाखिया, शब्बीर अहलूवालिया, भक्तियार ईरानी, शैलेंद्र सिंह और राजा विरवानी शामिल थे। बॉलीवुड इलेवन बनाम इंडियन लीजेंड्स मैच में दर्शकों ने दोनों टीमों का समान रूप से समर्थन किया क्योंकि दोनों टीमों ने इसे सबसे रोमांचक मैच बना दिया।पिछले हफ्ते शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में सफलतापूर्वक संपन्न हुए पहले फ्रेंडशिप कप-यूएई को उठाने के लिए पाकिस्तान लीजेंड्स ने वर्ल्ड इलेवन को 14 रनों से हराकर फ्रेंडशिप कप-यूएई चैंपियनशिप जीती थी। फाइनल मैच में, पाकिस्तान लीजेंड्स ने अपने निर्धारित 10 ओवरों में पांच विकेट पर 133 रन बनाए, जिसमें सलमान बट (20 गेंदों पर 45 रन) और मोहम्मद सामी (10 गेंदों पर 36 रन) का योगदान था। जवाब में, वर्ल्ड इलेवन ने फिल मस्टर्ड की 21 गेंदों में 50 और तिलकरत्ने दिलशान की 16 गेंदों में 34 रनों की मदद से अच्छी शुरुआत की, जो 78 रन की साझेदारी करने के बाद खतरनाक दिखे। हालाँकि मोहम्मद इरफ़ान ने कुछ तेज़ विकेट हासिल करके और उन्हें 8 रनों से कम करके खेल को वर्ल्ड इलेवन के हाथों से छीन लिया। अमीन पठान राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) के उपाध्यक्ष और रजवाड़ा क्रिकेट लीग (आरसीएल) के मुख्य प्रमोटर हैं, जो नवोदित क्रिकेटरों के लिए एक इतना बड़ा मंच है, जिसके 6 संस्करण पूरे हो चुके हैं, जिनमें से कई आईपीएल के लिए भी चुने गए हैं। टूर्नामेंट। उन्होंने उस देश के खेल इतिहास में पहली बार बहरीन में क्रिकेट लीग की शुरुआत की है। क्रिकेट हमेशा से इस परोपकारी और राजस्थान के एक शीर्ष राजनेता, अमीन पठान का जुनून रहा है, जो अपने कॉलेज के दिनों में राजस्थान में राज्य स्तरीय टूर्नामेंट खेलने वाले एक होनहार तेज गेंदबाज थे। अमीन पठान ने आगे उल्लेख किया, "यहां तक कि बॉलीवुड टीम के भाग लेने से स्थानीय भीड़ रोमांचित थी क्योंकि यह इतिहास में पहली बार है कि बॉलीवुड क्रिकेटरों ने शारजाह के ऐतिहासिक मैदान पर अंतर्राष्ट्रीय टेस्ट क्रिकेटरों, भारतीय, पाकिस्तानी और विश्व के दिग्गजों के खिलाफ खेला। दर्शकों में शामिल थे मुख्य रूप से अफगानी, बांग्लादेशी, पाकिस्तानी और भारतीय क्रिकेट प्रेमी जिनके लिए यूएई उनके लिए दूसरे घर जैसा है। प्रस्तुति समारोह में, हिज हाइनेस शेख फैसल बिन खालिद अल कासिमी, मुख्य अतिथि और फ्रेंडशिप कप के मुख्य संरक्षक - यूएई ने चैंपियंस पाकिस्तान लीजेंड्स को फ्रेंडशिप कप सौंपा, जिसमें कई गणमान्य व्यक्ति शामिल थे, जिसमें उनके प्रतिनिधि अब्देलरहमान एल्बा शामिल थे।

महामहिम फैसल बिन खालिद अलकासिमी, मोहम्मद मगदी थे कानूनी सलाहकार, डॉ खालिद काना, कासिम अलमोर्शदी और जनरल महेश सेनानायके, श्रीलंका के पूर्व सेनाध्यक्ष, आरेफा सालेह अल फलाही, निदेशक मंडल के सदस्य आरएके चैंबर, इंजी। आलिया अल किंडी, डॉ बू अब्दुल्ला, हमद एन अल हम्मादी और संगठन समिति के प्रमुख और हुसैफा इब्राहिम। आयोजन टीम का नेतृत्व संस्थापक और अध्यक्ष अमीन पठान कर रहे हैं।

मुन्ना भाई एमबीबीएस-अरशद वारसी ने की थी यह फिल्म संजय दत्त की वजह से, बोले- इसमें सर्किट का कैरेक्टर मूर्खों वाला था

बॉलीवुड एक्टर अरशद वारसी ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान खुलासा किया कि उन्होंने फिल्म 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' में सर्किट का रोल संजय दत्त की वजह से स्वीकार किया था। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सर्किट का कैरेक्टर मूर्खों वाला था और अगर फिल्म में संजय को कास्ट नहीं किया जाता तो वो इसे स्वीकार नहीं करते। बता दें अरशद ने सर्किट का रोल प्ले करने के लिए बेस्ट स्पोर्टिंग एक्टर का फिल्म फेयर अवार्ड जीता, और बाद में 2006 की फिल्म 'लगे रहो मुन्ना भाई' में इसकी भूमिका निभाई थी।

संजय दत्त के लिए की थी अरशद ने 'मुन्नाभाई एमबीबीएस'

अरशद वारसी ने कहा, "मैंने 'मुन्नाभाई एमबीबीएस' केवल संजय दत्त के लिए की थी। फिल्म के निर्देशक राजकुमार हिरानी भी जानते थे कि यह किरदार कितना मूर्खों वाला है। स्क्रिप्ट में भी इसे उस तरह से दिखाया गया है। मुझसे पहले यह रोल मकरंद देशपांडे को मिला था, लेकिन उन्होंने इसे करने से मना कर दिया था। उसके बाद मुझे यही रोल 'लगे रहो मुन्नाभाई' में भी करने को मिला।" राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सर्किट का किरदार फैंस के बीच काफी लोकप्रिय रहा है। कहानी सुनने के बाद अरशद जाते हैं अपनी गट फीलिंग के साथ अरशद वारसी ने कहा, "मैं किसी भी स्क्रिप्ट को एक ऑडियन्स के तरह सुनता हूं। कहानी सुनने के बाद मैं अपनी गट फीलिंग के साथ जाता हूं।

सोचता हूं कि इस रोल को करूं, न करूं या इसे रिजेक्ट कर दूं। फरहाद ने जब मुझे फिल्म 'बच्चन पांडे' की कहानी सुनाई तो मैंने उसी पल यह फिल्म करने का सोच लिया था। फरहाद को इस कैरेक्टर में काफी विश्वास था। इस फिल्म के दौरान हमारी कई क्रिएटिव चीजों को लेकर बातचीत हुई।"

उर्फी जावेद के पहनावे को लेकर एक महिला ने मुस्लिम नेताओं से की लगाम कसने की अपील, एक्ट्रेस ने दिया करारा जवाब

एक महिला ने उर्फी जावेद के पहनावे पर सवाल खड़े किए और साथ ही मुस्लिम नेताओं से एक्ट्रेस पर लगाम कसने की अपील करती भी नजर आई। जिसके बाद उर्फी जावेद ने भी उस महिला को करारा जवाब देने में कोई कसर नहीं छोड़ी और उसकी क्लास लगा दी। टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस में शुमार उर्फी जावेद अपने लुक और पहनावे को लेकर हर दिन सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। उनके पहनावे को लेकर वो हर रोज लोगों के निशाने पर रहती हैं। तो वहीं हाल ही में एक महिला ने जो कि इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस प्रोफेसर रिसर्च की चेयर प्रोफेसर हैं, ने सवाल खड़े कर दिये हैं। इस महिला का ना मधु पूर्णिमा किश्वर है। महिला ने केवल उनके पहनावे ही नहीं बल्कि मुस्लिम नेताओं से एक्ट्रेस उर्फी जावेद पर लगाम कसने और उन्हें बुर्का व हिजाब पहनाने जैसे अपिल भी कर दी। इस महिला के सवालों को जवाब देने में एक्ट्रेस भी पीछे नहीं हटी, बल्कि उसका उन्होंने मुहतोड़ जवाब देते हुए उनकी क्लास भी लगा दी। महिला ने उर्फी जावेद को लेकर अपने ट्विटर एकाउंट पर लिखा था, "मुस्लिम नेताओं से मेरी अपील है कि कृप्या उर्फी जावेद को बुर्का, नकाब और हिजाब से कवर करें। मुझे इनकी नग्न तस्वीरें देखने में कोई रूचि नहीं है। लेकिन जिस घड़ी मैं अपना फोन ओपन करती हूं, यह बिन बुलाए ही आ जाती हैं। मैं इससे परेशान हो चुकी हूं।" इस महिला के द्वारा किए गए ट्वीट के बाद एक्ट्रेस उर्फी जावेद ने महिला के ट्वीट को अपनी इंस्टाग्रा स्टोरी पर शेयर किया और और करारा जवाब देते हुए लिखा, "आप सच में एक बीमार औरत हैं। बहुत से लोग मेरे बारे में यही ट्वीट कर रहे हैं, जिसमें ये महिला भी शामिल हैं।

शहरी डिजाइन पेशेवरों की आवश्यकता

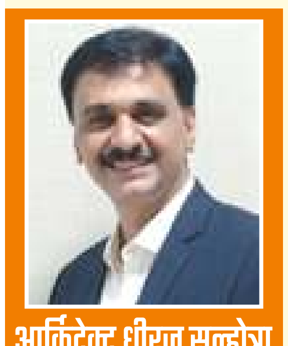

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

एक विशिष्ट पेशे के रूप में शहरी डिजाइन ज्ञान के एक नए क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। बड़े पैमाने की शहरी परियोजनाओं को शुरू करने और अपनी विशेषज्ञता प्रदान करने के लिए पेशेवर रूप से कुशल शहरी डिजाइनरों की मांग है। भीड़-भाड़ वाले शहरी इलाकों में ढांचागत हस्तक्षेप के संदर्भ में शहरी परियोजनाओं की मात्रा ने एक शहरी परिदृश्य पैदा कर दिया है।

अब अधिक से अधिक शहर योग्य शहरी डिजाइनरों की मदद लेकर योजना प्रयासों को संशोधित करने का उपक्रम कर रहे हैं, ताकि सबसे किफायती और उपयुक्त समाधान पर आवश्यक अंतर्दृष्टि प्रदान की जा सके। शहरी डिजाइन में विशेष प्रशिक्षण वाले आर्किटेक्ट इस उद्देश्य के लिए सबसे उपयुक्त हैं। बड़े पैमाने की परियोजनाओं की प्रतिष्ठा वाली स्थापित वास्तु फर्म ऐसी परियोजनाओं के लिए बोली लगाने के लिए योग्य हैं।

दुनिया भर के शहर उभरते शहरी दबावों की चुनौतियों का सामना करने के लिए सफल समाधान प्रदान करने के लिए नवीन प्रस्तावों को आमंत्रित करने के लिए

प्रतियोगिताओं की मेजबानी कर रहे हैं। शहरी डिजाइन हस्तक्षेपों ने शहरी वातावरण को बदलने और शहरवासियों के जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार करने की उनकी क्षमता को साबित किया है।

वास्तुकला के स्कूलों में उनके शिक्षाविदों के चौथे वर्ष में उनके मुख्य पाठ्यक्रम में शहरी डिजाइन का विषय है।

अकादमिक परिणामों के रूप में उत्पन्न विचार आमतौर पर शानदार समाधान होते हैं जो आसपास के पड़ोस को बदल सकते हैं। वार्षिक प्रदर्शनी संस्थान द्वारा किए गए ऐसे कार्यों का प्रदर्शन है।

शहरी डिजाइन अध्ययन के लिए उम्मीदवार को जलवायु, स्थलाकृति, जनसंख्या, लिंग, आयु समूह, अर्थशास्त्र, आजीविका और पर्यावरण को प्रभावित करने वाले ऐसे सभी कारकों की पूरी समझ विकसित करने की आवश्यकता होती है। प्रस्ताव की तैयारी सुनिश्चित करती है कि इन क्षेत्रों को अच्छी तरह से संबोधित किया गया है और लागत प्रभावशीलता के साथ सबसे उपयुक्त समाधान पेश किया गया है।

इस तरह के कार्यों के प्रदर्शन को देखने के लिए ज्ञान के इस क्षेत्र के तहत किए गए अध्ययनों पर अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए वास्तुकला संस्थान का दौरा किया जा सकता है। विस्तृत जानकारी और यात्रा के लिए आप वेबसाइट tsapmumbai.in देख सकते हैं

यूपी: 23 या 24 मार्च को योगी मंत्रिमंडल का गठन, केशव की कुर्सी बरकरार रहेगी, खतरे में दिनेश शर्मा

भाजपा ने उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बनने वाली नई सरकार के मंत्रिमंडल के सदस्यों और विधान परिषद चुनाव में पार्टी उम्मीदवारों के नाम तय कर दिए हैं। मंत्रिमंडल में उपमुख्यमंत्री भी रहेंगे। करीब बीस नए चेहरे भी शामिल होने की संभावना है। कार्यवाहक उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मंत्रिमंडल में बने रहेंगे, जबकि डॉ. दिनेश शर्मा की भूमिका बदली जा सकती है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, सीएम योगी आदित्यनाथ, संगठन महामंत्री बीएल संतोष, प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव जितिन प्र सिंह व उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की मौजूदगी में हुई उच्चस्तरीय बैठक में विधान परिषद चुनाव में पार्टी के 36 उम्मीदवारों की सूची पर भी मुहर लगाई गई। पार्टी पदाधिकारियों संग कार्यकर्ताओं को भी चुनाव लड़ाया जाएगा। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, योगी मंत्रिमंडल के पहले चरण में शामिल होने वाले सदस्यों के नाम पर भी सैद्धांतिक सहमति हो गई है। मंत्रिमंडल में

पीएम नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की झलक देखने को मिलेगी। विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत में महिला वोट बैंक की बड़ी भूमिका रही है। लिहाजा महिलाओं को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देकर पार्टी महिलाओं की नई लीडरशिप भी खड़ी करेगी।वहीं, बसपा के समर्पित मतदाताओं के भाजपा के समर्थन में आने को देखते हुए पार्टी इस वोट बैंक में अपना आधार और बड़ा करना चाहती है।

ऐसे में नई सरकार में जाटव बिरादरी से किसी को या तो डिप्टी सीएम बनाया जाएगा या विधानसभा अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी जाएगी।

चुनाव में 11 मंत्री हार गए, जबकि चार पहले ही सपा में चले गए। वहीं, करीब आधा दर्जन अन्य मंत्रियों के काम से पार्टी नेतृत्व संतुष्ट नहीं है। ऐसे में इनकी जगह नए चेहरे लाने की भी संभावना है।

बेबी रानी मौर्य, प्रतिभा शुक्ला का मंत्री बनना तय

नई टीम में प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह को भी मंत्री बनाया जा सकता है।

पुराने मंत्रियों में सिद्धार्थ नाथ सिंह, ब्रजेश पाठक, नंदगोपाल नंदी, सूर्य प्रताप शाही, रामपाल वर्मा, आशुतोष टंडन, मोहसिन रजा, अनिल राजभर और संदीप सिंह के नाम हैं। पूर्व आईपीएस असीम अरुण, राजेश्वर सिंह, जितिन प्रसाद, एके शर्मा, बेबी रानी मौर्य, अंजुला माहौर, प्रतिभा शुक्ला को भी मंत्री बनाया जाना तय माना जा रहा है।

25 साल का नया नेतृत्व तैयार करना चाहते हैं पीएम मोदी

चार राज्यों में सरकार गठन के मामले में प्रधानमंत्री ने पार्टी के लिए अगले 25 साल का नेतृत्व तैयार करने का निर्देश दिया है। उनकी इच्छा है कि जातीय-सामाजिक संतुलन साधने के क्रम में संबंधित जाति वर्ग के उन्हीं विधायकों को पहली प्राथमिकता दी जाए जो उच्च शिक्षित हों। इसके अलावा प्रशासनिक और तकनीकी मामलों में दक्ष हों।

पीएम के निर्देश के बाद सभी राज्यों के विधायकों का पहले डाटा तैयार किया गया। इसके बाद नई टीम के गठन पर विचार-विमर्श हुआ।

21 मार्च के बाद होगा शपथ ग्रहण

21 मार्च को विधान परिषद चुनाव के नामांकन का अंतिम दिन है। लिहाजा 22 को विधायक दल की बैठक हो सकती है।

ऐसे में 23 या 24 को योगी सरकार-2 का शपथ ग्रहण समारोह हो सकता है। अपना दल को एक कैबिनेट-एक राज्यमंत्री व निषाद पार्टी को एक कैबिनेट मंत्री का पद मिल सकता है।

मलिक से इस्तीफा लेने के मूड में नहीं शिवसेना सरकार, विभाग किसी अन्य मंत्री को देने की तैयारी

महाराष्ट्र सरकार दाउद इब्राहिम से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद मंत्री नवाब मलिक से इस्तीफा लेने को तैयार नहीं है। हालांकि मलिक का विभाग अस्थायी तौर पर किसी अन्य मंत्री को दिया जा सकता है। राज्य के जल संसाधन मंत्री व महाराष्ट्र राकांपा अध्यक्ष जयंत पाटिल का कहना है कि इस बारे में पार्टी के निर्णय से सीएम उद्धव ठाकरे को अवगत करा दिया जाएगा। ठाकरे इस पर अंतिम निर्णय लेंगे। गुरुवार को राकांपा प्रमुख शरद पवार ने पार्टी के नेता नवाब मलिक मामले से जुड़े पहलुओं पर विचार के लिए बैठक बुलाई थी। इसके बाद जयंत पाटिल ने यह बात कही।

पवार के घर पर हुई बैठक के बाद पाटिल ने मीडिया से कहा कि पार्टी मलिक से इस्तीफा नहीं मांगेगी, क्योंकि उन्हें गलत ढंग से गिरफ्तार किया गया है।

इस बैठक में उपमुख्यमंत्री अजित पवार, मंत्री छगन भुजबल व दिलीप वलसे पाटिल, पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे आदि शामिल हुए। नवाब मलिक वरिष्ठ राकांपा नेता हैं। महाराष्ट्र की सत्तारूढ़ शिवसेना नीत महाविकास अघाड़ी सरकार में उनके पास अल्पसंख्यक मामले व कौशल विकास विभाग है।

62 साल के मलिक को फरवरी अंत में ईडी ने गिरफ्तार किया था। उन पर दाउद इब्राहिम की प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों को लेकर मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया गया है। वह अभी न्यायिक हिरासत में जेल में है। मलिक राकांपा की मुंबई इकाई के प्रमुख भी हैं। वह परभणी व गोंदिया जिलों के प्रभारी मंत्री भी हैं। उनकी जमानत अर्जी हाल ही में निरस्त हो चुकी है। इसलिए उनके विभागों का दायित्व किसी अन्य मंत्री को अगले कुछ दिनों में दे दिया जाएगा। इस बीच, मुंबई में नगर निगम चुनाव को देखते हुए राकांपा ने शहर इकाई में दो कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत करने का फैसला किया है। नरेंद्र राणे व राखी जाधव को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया जा सकता है।

एकजुटता की पहल : कांग्रेस नेतृत्व और जी-23 के बीच सुलह के आसार, होली के बाद दूर होगी तनातनी

कांग्रेस नेतृत्व और ग्रुप-23 के नेताओं के बीच होली के बाद तनातनी दूर होने के साथ पार्टी फिर से एक रंग में दिख सकती है। ग्रुप-23 में शामिल वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने बृहस्पतिवार को दूत बनकर पहले राहुल गांधी से मुलाकात की फिर ग्रुप-23 के अगुवाकार गुलाम नबी आजाद और आनंद शर्मा के साथ बैठक की। ग्रुप-23 कुछ शर्तों और व्यवस्था में बदलाव (सामूहिक नेतृत्व) के साथ खुद को कार्यकर्ताओं के बीच खलनायक की भूमिका में नहीं देखना चाहता है। दोनों ही पक्ष अब समाधान की ओर बढ़ना चाहते हैं इसलिए आने वाले दिनों गुलाम नबी आजाद कुछ नेताओं के साथ कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात करेंगे। बुधवार रात गुलाम नबी आजाद के घर पर हुई ग्रुप-23 के नेताओं की बैठक के बाद कांग्रेस नेतृत्व ने भी अपने रुख में बदलाव किया है। बताते हैं कि राहुल गांधी के कहने पर हुड्डा उनके आवास पर पहुंचे और दोनों नेताओं के बीच अकेले में करीब 50 मिनट बातचीत हुई। हुड्डा राहुल गांधी से बातचीत करने के बाद आजाद के घर पहुंचे, जहां आनंद शर्मा भी मौजूद थे। सूत्रों के मुताबिक ग्रुप-23 के नेता भी अब लुका-छिपी का खेल नहीं खेलना चाहते हैं लेकिन जिस तरह एकतरफा फैसले लिए गए उन्हें लेकर अपनी बात स्पष्ट कर देना चाहते हैं। बताते हैं हुड्डा ने असंतुष्ट नेताओं की नाराजगी और पीड़ा राहुल के सामने रखी। हाल के दो बड़े फैसले, पहला यूपी में प्रियंका का एकतरफा महिलाओं को चालीस फीसदी सीटों पर लड़ाने का और पंजाब में राहुल का चरनजीत सिंह चन्नी को सीएम पद का दावेदार घोषित करने का तरीका अनुचित मानते हैं। उनकी नाराजगी उन नेताओं को लेकर भी है जिनकी वजह से पार्टी लगातार खराब प्रदर्शन कर रही है और फिर भी उन्हें ही जिम्मेदारी सौंपी जा रही है। पार्टी में जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही भी तय हो।

कमला माता महिला ट्रस्ट द्वारा राम मंदिर कार्यालय आर 8 रूम न 17 ग्राउंड फ्लोर में हल्दी कुंकु समारंभ धाम धूम से संपन्न हुआ इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजेश उन्होंने मंत्रालय राज्य अध्यक्ष दत्ता जाधव और पत्रकार और अन्य पदाधिकारी का स्वागत किया गया इस कार्यक्रम को कमला माता महिला सेवाभावी ट्रस्ट के अध्यक्ष रामचंद्र महाले और सोनल सिंदे उपाध्यक्ष संजय शिंदे खजिंदर सविता रामचंद्र महाले और अन्य महानुभव लोगों की उपस्थिति होती

आईएमएफ की चेतावनी: भारतीय अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर डालेगा यूक्रेन संकट, चीन पर कम होगा प्रभाव

अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने गुरुवार को आर्थिक मोर्चे पर भारत के लिए चिंता पैदा करने वाली बात कही। आईएमएफ ने कहा कि यूक्रेन पर रूस के हमले का नकारात्मक प्रभाव भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। जबकि चीन पर तत्काल इसका प्रभाव अपेक्षाकृत कम होगा। आईएमएफ के संचार विभाग के निदेशक गेरी राइस ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''युद्ध के वैश्विक आर्थिक प्रभाव का विभिन्न माध्यमों से भारत की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर पड़ने की आशंका है।'' राइस ने कहा कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम में तेजी का व्यापार पर प्रतिकूल पड़ेगा। साथ ही इसका वृहत-आर्थिक प्रभाव भी होगा। इससे मुद्रास्फीति और चालू खाते का घाटा बढ़ेगा। राइस ने कहा, ''लेकिन चालू खाते पर प्रभाव संभावित रूप से उन वस्तुओं की कीमतों में अनुकूल बदलाव से कम हो सकता है जो भारत निर्यात करता है। इसमें गेहूं शामिल हैं।'' उन्होंने कहा कि यूक्रेन में युद्ध का अमेरिका, यूरोपीय संघ और चीनी अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव से भारत की निर्यात मांग पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। जबकि आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से भारत के आयात की मात्रा और कीमतों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। आईएमएफ के मुताबिक, भारत के लिये परिदृश्य को लेकर अनिश्चितता बढ़ने का जोखिम है। वहीं दूसरी तरफ आईएमएफ ने कहा कि युद्ध का चीन पर तत्कालिक प्रभाव कम होगा। राइस ने कहा, ''चीन पर यूक्रेन संकट का तत्काल प्रभाव अपेक्षाकृत कम होने की संभावना है। तेल की ऊंची कीमत आगे चलकर घरेलू खपत और निवेश को प्रभावित कर सकती है, लेकिन मूल्य सीमा प्रभाव को सीमित करेगी।''

हार पर रार: जी-23 के नेता 24 घंटे में दोबारा कर रहे बैठक, अधीर रंजन चौधरी और पी चिदंबरम हुए नाराज

पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों में हार के बाद कांग्रेस पार्टी में सबकुछ ठीक नहीं है। हार का ठीकरा पार्टी प्रदेश अध्यक्षों के सिर पर फोड़ते हुए पार्टी आला कमान ने पांचों प्रदेश अध्यक्षों से इस्तीफा मांग लिया था। दूसरी तरफ पार्टी के जी-23 सदस्य (असंतुष्ट खेमा) 24 घंटे में दूसरी बार एक साथ बैठक के लिए इकट्ठे हुए हैं। एक बार फिर इस ग्रुप के सभी सदस्य नेता कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद के घर इकट्ठे हुए हैं। वहीं, कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने इसे लेकर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी हर कांग्रेसी से बात करने को तैयार हैं, अगर सबकी मंशा ठीक है तो बात करने में दिक्कत नहीं होनी चाहिए।

24 घंटे में जी-23 नेता कर रहे दोबारा बैठक कांग्रेस के असंतुष्ट खेमा 24 घंटे में दोबारा बैठक कर रहा है। जी-23 सदस्यों की 24 घंटे में दूसरी बैठक ने पार्टी हाई कमान के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं। इससे पहले दिन में चर्चा थी कि गुलाम नबी आजाद सोनिया गांधी से मुलाकात कर सकते हैं। माना जा रहा था कि वे सोनिया गांधी के सामने जी-23 सदस्यों का रुख स्पष्ट करेंगे। पी चिदंबरम ने जी-23 नेताओं के रूख को लेकर जताई नाराजगी जी-23 नेताओं के रूख को लेकर पार्टी के दूसरे वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम भी नाराज हैं। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि पार्टी की हार के लिए अकेले गांधी परिवार ही जिम्मेदार नहीं है। गांधी परिवार ने पद छोड़ने की पेशकश की थी, लेकिन इसे सीडब्ल्यूसी ने स्वीकार नहीं किया। तो, अब हमारे पास क्या विकल्प है? उन्होंने आगे कहा कि हमें एक नए कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया को तेज करने की जरूरत है, लेकिन जल्दी से जल्दी यह अगस्त तक हो सकता है। तब तक मैं व अन्य मानते हैं कि सोनिया गांधी प्रभारी का नेतृत्व करती रहें। उन्होंने कांग्रेस के जी -23 पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें पार्टी तोड़ने वाला काम नहीं करना चाहिए।

ममता बनर्जी का दावा: पांच साल पहले पश्चिम बंगाल पुलिस को 25 करोड़ रुपये में हुई थी पेगासस स्पाइवेयर की पेशकश

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कहा कि हमारी सरकार ने कुछ साल पहले इस्राइली स्पाइवेयर पेगासस खरीदने की एक पेशकश ठुकरा दी थी। उन्होंने कहा कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों की जासूसी करने के लिए स्पाइवेयर का इस्तेमाल करना अस्वीकार्य है।

बनर्जी ने कहा, ' पांच साल पहले वो (पेगासस) अपनी मशीनें बेचने के लिए हमारे पुलिस विभाग के पास आए थे। उन्होंने इसके लिए 25 करोड़ रुपये की मांग की थी। यह मामला मेरे पास आया और मैंने इससे साफ इनकार करते हुए कहा कि हम ऐसी की मशीनें नहीं खरीदना चाहते हैं।'राजनीतिक कारणों से नहीं कर सकते हैं स्पाइवेयर का इस्तेमाल'तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ने कहा, 'अगर इसका इस्तेमाल देश विरोधी गतिविधियों के लिया और सुरक्षा के लिए किया जाता तो यह अलग बात हो सकती थी। लेकिन इसका इस्तेमाल राजनीतिक कारणों से जजों और अधिकारियों के खिलाफ किया गया जो स्वीकार्य नहीं है।' साल 2019 में मीडिया संगठनों के एक समूह ने खुलासा किया था कि भारत के 300 फोन एनएसओ के लीक डाटाबेस की संभावित टारगेट लिस्ट में थे। पेगासस स्पाइवेयर इस्राइल के एनएसओ समूह का ही है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हुआ कि सभी फोन हैक किए गए थे। भाजपा की सरकार वाले कुछ राज्यों ने खरीदा था पेगासस: बनर्जी ममता बनर्जी ने बुधवार को आरोप लगाया था कि उनका फोन टैप किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम कुछ भी बात करते हैं, उन्हें (केंद्र सरकार) पता चल जाता है। तीन साल पहले मैं भी पेगासस सकती थी लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया था। लेकिन भाजपा शासित कुछ राज्यों ने इसे खरीदा था। कुछ दिन पहले भाजपा नेता अनिर्बान गांगुली ने आरोप लगाया था कि बनर्जी 2016 से बंगाल की सत्ता में आने के बाद से स्पाइवेयर का इस्तेमाल कर रही हैं।

काल़ू भाई सोलंकी, राजकोट

गुजरात प्रदेश कांग्रेस ओबीसी डिपार्टमेंट के चेयरमैन श्रीमान घनश्याम भाई गढवी द्वारा राजकोट जिला कांग्रेस ओबीसी डिपार्मेंट के चेयरमैन पद पर श्रीमान काल़ू भाई सोलंकी की नियुक्ति की गई इस अवसर पर गुजरात प्रदेश कांग्रेस ओबीसी डिपार्टमेंट के पदाधिकारियों की उपस्थिति थी मुंबई धर्म न्यूज़ परिवार की तरफ से श्रीमान काल़ू भाई सोलंकी को ढेर सारी शुभकामनाएं

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।